दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 प्रदेश में महापुरुषों के नाम शुरू होंगी दस योजनाएं

5 मिलावट का खेल: सतर्क होकर खाएं बूंदी के लड्डू, कहीं आपके जायके में भी न हो मिलावट

8 चेजमास्टर कोहली का एक और कारनामा

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 37 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 10 मार्च, 2025

सदन में बोले सीएम योगी

- संभल में 68 तीर्थों को खत्म करने की कोशिश हुई
- महाकुंभ अग्निपरीक्षा थी जिसमें हम खरे उतरे
- महाकुंभ में आईं 33 करोड़ महिलाएं, सभी रहीं सुरक्षित
- डिजिटल क्रांति का गढ़ बनकर उभरा यूपी

'औरंगजेब को आदर्श मानने वाले विधायक को यूपी भेजिए, इलाज कर देंगे': CM योगी

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी के बजट सत्र में विधान परिषद को संबोधित करते हुए महाकुंभ के आयोजन का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि यह ऐसा आयोजन था जिसे लंबे समय तक दुनिया याद रखेगी। उन्होंने कहा कि कुछ पार्टियां इससे सहमत नहीं थीं और महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार किया फिर भी लोगों की आस्था नहीं डिगी।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, एक साथ 41 PCS अधिकारियों के तबादले

शासन में पीसीएस स्तर पर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। एक साथ 41 पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए गए। इसमें से ज्यादातर एसडीएम हैं। बुधवार की सुबह हुए इन तबादलों में देवरिय के अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव को सिद्धार्थ नगर का अपर जिलाधिकारी बनाया गया है। इसी तरह मेरठ की अपर नगर आयुक्त ममता मालवीय को अपर जिलाधिकारी मुरादाबाद नियुक्त किया गया है।

गोरखपुर में मिलावट का खेल

नमकीन में रंग के साथ खराब तेल-मसाले भी...छापे में बड़ी बरामदगी- आप भी रखें ध्यान

गोरखपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि शहर में कुछ जगहों पर नमकीन में भी मिलावट हो रही है। टीम अंधियारीबाग में संचालित परी नमकीन के कारखाने पर पहुंची तो वहां नमकीन में रंग और एक्सपायर्ड मसाला मिलाते पकड़ा गया।

संचालक ने कार्रवाई का विरोध करते हुए 100 रुपये का पंजीयन प्रमाणपत्र दिखाया। टीम ने यहां से रंगा हुआ हरा मटर, नमकीन, बेसन, तेल और मसाले सहित पांच नमूने लिए। होली पर घर-घर खपाने के लिए मिलावटखोरों ने खराब तेल व मसालों से बड़ी मात्रा में नमकीन तैयार किया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शुक्रवार को अंधियारी बाग में संचालित परी नमकीन ब्रांड के कारखाना पर छापा मारा तो वहां तीन क्विंटल खराब नमकीन बरामद किया गया।

इसके अलावा ढाई क्विंटल एक्सपायर्ड मसाले और तेल भी बरामद किया गया। जहां नमकीन बनाई जा रही थी, वहां गंदगी भी थी।

टीम ने नमकीन के पांच नमूने लिए और उन्हें नष्ट कराया। एक्सपायर हो चुके मसाले को पानी में डाला तो रंग लाल हो गया। इसके अलावा एक सप्ताह पहले बस स्टेशन से पकड़े गए खोवा का अब तक कोई दावेदार नहीं आने पर उसे भी नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि शहर में कुछ जगहों पर नमकीन में भी मिलावट हो रही है।

टीम अंधियारीबाग में संचालित परी नमकीन के कारखाने पर पहुंची तो वहां नमकीन में रंग और एक्सपायर्ड मसाला मिलाते पकड़ा गया।

संचालक ने कार्रवाई का विरोध करते हुए 100 रुपये का पंजीयन प्रमाणपत्र दिखाया। टीम ने यहां से रंगा हुआ हरा मटर, नमकीन, बेसन, तेल और मसाले सहित पांच नमूने लिए।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने पकड़ी मिलावटी नमकीन की फैक्टरी।

निजामपुर में तीसरी मंजिल पर चल रहा था मिठाई का कारखाना

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शहर के निजामपुर में एक घर की तीसरी मंजिल पर चल रहे पेड़ा के कारखाने को पकड़ा। वहां मैदा और चीनी रखी हुई थी। टीम पहुंची तो पहले दरवाजा खोलने के लिए आई कार्ड मांगा गया। इसके बाद एक महिला दरवाजे पर पहुंच गई।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम में शामिल महिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने घर में प्रवेश किया तो तीसरी मंजिल पर कारखाना चलता मिला। टीम ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर मांगी तब जाकर मिठाई बनाने की बात घरवालों ने स्वीकार की। वहां मिठाई का नमूना लिया गया।

कुल्हाड़ी से सिर पर किए वार जान लेने के बाद सभी को सुनाई ये कहानी

कलयुगी बेटी-प्रेमी के लिए पिता को कटवा डाला...

गोरखपुर। टीम के सदस्यों ने सर्विलांस के सहारे हत्या के समय घर में मौजूद लोगों के बारे में जानकारी ली। पुलिस ने घर पर मौजूद मृतक की पुत्री दीपाली यादव से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह अपने प्रेमी के साथ वारदात को अंजाम दिया है। प्रेम प्रसंग में बाधक बन रहे पिता की बेटी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर मंगलवार को कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर हत्या कर दी थी। इसके बाद घटना को दूसरी तरफ मोड़ दिया, लेकिन पुलिस ने उसके मंसूबों पर अगले दिन पानी फेर दिया। घटना में शामिल बेटी के प्रेमी को पुलिस भागने के क्रम में शहर के सुभाष चौक से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया।

बर्बरता देख कांप गए डाक्टर

हाथ-पैर की हड्डियां तोड़ीं, गुप्तांग पर भी घाव

कानपुर में किशोर की नृशंस हत्या

- सरिया और पेचकस से गोद डाला पूरा शरीर
- मौत से पहले पैंट में निकल गया था बाथरूम
- पोस्टमॉर्टम में दिखी दरिंदगी, डॉक्टर हैरान
- डॉक्टर बोले-ऐसी बर्बरता पहले कभी नहीं देखी

कानपुर। अरौल थाना इलाके में में प्रॉपर्टी डीलर के 13 वर्षीय बेटे की हत्या के बाद शव का पोस्टमार्टम किया गया। आरोपियों ने सरिया और पेचकस से पूरा शरीर गोद डाला। किशोर के गुप्तांग पर भी घाव मिले हैं। मेडिकल करने वाले डॉक्टर भी देखकर बोले कि ऐसी बर्बरता पहले कभी नहीं देखी। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। कानपुर के अरौल थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी दो युवक 13 साल के दोस्त को बहला फुसलाकर गांव के खंडहर में ले गए। वहां बंधक बनाकर कुकर्म किया। दरिंदों ने विरोध करने पर किशोर का रस्सी से गला कस दिया। इसके बाद उसके सिर पर सरिये से वार कर खोपड़ी खोल डाली। पूरा शरीर पेचकस से गोदकर मार डाला। उसके शरीर पर चोट के 90 निशान मिले हैं।

पोस्टमार्टम में इसका खुलासा हुआ। दरिंदों ने हाथ पैर तोड़ने के साथ गुप्तांग को भी चोट पहुंचाई। हत्या के बाद शव को हाईवे के पास 40 फीट गहरे कुएं में फेंक दिया। पुलिस से बचने के लिए घटना को अपहरण का रूप देने की साजिश रची।

इसके तहत किशोर के मोबाइल से उसके पिता को 10 लाख रुपये की फिरौती का मैसेज भेजा। पुलिस ने जांच शुरू की तो मामला खुल गया। सीसीटीवी व सर्विलांस की मदद से घटना को अंजाम देने वाले किशोर के दोस्त और इसी गांव के निवासी अजहर उर्फ अज्जू और नजर अली उर्फ हुसैनी को गिरफ्तार कर लिया गया।

भगोड़े ललित मोदी की भारत वापसी मुश्किल!

सबसे सुरक्षित देश की नागरिकता ली विदेश मंत्रालय का आया रिएक्शन

ललित मोदी ने वनातु की नागरिकता हासिल कर ली है। इसका मतलब है कि ललित मोदी को स्वदेश लाना अब और मुश्किल हो गया है। इसको लेकर विदेश मंत्रालय का भी रिएक्शन सामने आया है। ललित मोदी ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग के पास अपनी नागरिकता छोड़ने को लेकर आवेदन भेजा है। सरकार के कानून व नियमों के हिसाब से इस पर फैसला किया जाएगा।

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्व उद्योगपति और इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के संस्थापक ललित मोदी ने वनातु की नागरिकता हासिल कर ली है। इसका मतलब है कि ललित मोदी को स्वदेश लाना अब और मुश्किल हो गया है। इसको लेकर विदेश मंत्रालय का भी रिएक्शन सामने आया है। 15 वर्ष पहले भारतीय जांच एजेंसियों की आंखों में धूल झोंककर विदेश भाग चुके ललित मोदी ने न सिर्फ भारतीय नागरिकता छोड़ने का आवदेन भारत सरकार को भेजा है बल्कि प्रशांत महासागर में स्थित एक छोटे से द्वीपीय देश वनातु की नागरिकता भी ले ली है।

भगवान मौजूद हैं...

हार्वर्ड के वैज्ञानिक ने भी माना ईश्वर का अस्तित्व

नई दिल्ली। भगवान को लेकर दुनिया में दो मूलतः प्रकार की सोच रखने वाले लोग हैं। एक लोग आस्तिक यानी ईश्वरवादी होते हैं तो दूसरे नास्तिक यानी अनीश्वरवादी। नास्तिक विचारों वाले लोगों का तर्क होता है कि प्रमाण के साथ बताया जाए कि भगवान का अस्तित्व है।

इसी बीच ईश्वर के अस्तित्व को लेकर हावर्ड खगोल भौतिक वैज्ञानिक और एयरोस्पेस इंजीनियर डॉ. विली सून ने चौंकाने वाला खुलासा किया है।

उन्होंने दावा किया है कि एक गणितीय सूत्र भगवान के अस्तित्व का अंतिम प्रमाण हो सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मांड के रहस्य केवल तारों में ही नहीं, बल्कि गणित की बुनियाद में भी लिखे गए हो सकते हैं। उनके सिद्धांत का केंद्र फाइन ट्यूनिंग आर्गुमेंट है। आसान भाषा में कहें तो यह सिद्धांत सुझाव देता है ब्रह्मांड के भौतिक नियम इतने सटीक रूप से जीवन का समर्थन करने के लिए कैलिब्रेट किए गए हैं कि यह संयोग से नहीं हो सकता।

भगवान के अस्तित्व को लेकर हावर्ड खगोल भौतिक वैज्ञानिक और एयरोस्पेस इंजीनियर डॉ. विली सून ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया है कि एक गणितीय सूत्र भगवान के अस्तित्व का अंतिम प्रमाण हो सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मांड के रहस्य केवल तारों में ही नहीं बल्कि गणित की बुनियाद में भी लिखे गए हो सकते हैं। हावर्ड खगोल भौतिक वैज्ञानिक डॉ. विली सून ने भगवान को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया।

गणित के जरिए समझ सकते हैं ब्रह्मांड के नियम: पश्चल डिराक

गौरतलब है कि यह सूत्र सबसे पहले कैम्ब्रिज गणितज्ञ पॉल डिराक ने पेश किया थ। सूत्र ये दर्शाता है कि ब्रह्मांडीय स्थिरांक अद्भुत सटीकता के साथ मेल खाते हैं। गणितीय सिद्धांत के जरिए ब्रह्मांड के भौतिक नियमों के संतुलन को समझा जा सकता है।

उन्होंने अपनी किताब में इस बात का भी जिक्र किया है कि किस तरह ब्रह्मांड का निर्माण में गणित का उपयोग किया गया। डॉ. सून ने पॉडकास्ट में डिराक के सिद्धांत का हवाला दिया और भगवान के अस्तित्व के बारे में समझाया। डॉ. सून ने दावा किया कि गणित और ब्रह्मांड के बीच की सामंजस्य है।

सम्पादकीय

राजद्रोह की धारा या सत्तापक्ष का हथियार

इंडियन एक्सप्रेस की एक चर्चित खोजी रिपोर्ट में ऐसे पूरे 25 पूर्व–विपक्षी नेताओं के मामलों की जांच–पड़ताल की गयी थी

इंडियन एक्सप्रेस की एक चर्चित खोजी रिपोर्ट में ऐसे पूरे 25 पूर्व–विपक्षी नेताओं के मामलों की जांच–पड़ताल की गयी थी, जिनके खिलाफ 2014 में मोदी निजाम के आने के बाद से भ्रष्टड्डचार के गंभीर आरोप लगाकर सीबीआई, ईडी तथा आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों से जांच शुरू करायी गयी थी, बहुप्रचारित पूछताछ से लेकर कुछ मामले में गिरफ्तारी तक की कार्रवाइयां भी की गयी थीं। इसे भाजपा की धुलाई मशीन का करिश्मा कहना, शायद इसमें निहित हमारी संवैधानिक व्यवस्था के क्षय को कम कर के आंकना होगा। इससे पता चलता है कि नरेंद्र मोदी के राज में राजद्रोह जैसे गंभीर और आरोपियों के लिए बहुत ही दमनकारी आरोपों को भी, न सिर्फ खुल्लमखुल्ला सत्ताधारी राजनीति के स्वार्थों का मोहरा बना दिया गया है बल्कि इन स्वार्थों का बहुत ही सस्ता मोहरा बना दिया गया है। हम गुजरात में करीब दस वर्ष पहले महत्वपूर्ण तथा विद्रोह तेवरों वाले युवा पटेल नेता के रूप में उभरे, हार्दिक पटेल और जवाहर नेहरू विश्वविद्यालय की कन्हैया कुमार की समकालीन छात्र नेता, शहला राशिद के वर्षों बाद, राजद्रोह की धाराओं के आरोपों से मुक्त किए जाने की बात कर रहे हैं। इसी 1 मार्च को दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत ने दिल्ली पुलिस के इसकी अर्जी को स्वीकार कर लिया कि वह 2019 के राजद्रोह के केस में, शहला राशिद के खिलाफ मुकद्दमा वापस लेना चाहती है। इसके अगले ही रोज, अहमदाबाद की अदालत ने हार्दिक पटेल के खिलाफ भी राजद्रोह का मामला वापस लेने की इजाजत दे दी।

दुर्भाग्य से अनेक वर्षों तक इन युवा नेताओं के गले का फंदा बने रहने बाद भी, अब राजद्रोह के केस से इन दोनों की ही मुक्ति का दूर–दूर तक कोई संबंध, पुलिस समेत शासन तंत्र को इसका एहसास होने से नहीं है कि इनके मामले में राजद्रोह की धाराओं के प्रयोग का कोई आधार नहीं था, कि इन मामलों में आरोपियों के साथ ज्यादती हुई थी, आदि। दूर–दूर तक ऐसा कुछ भी नहीं होने का पता इस मोटे से सच से लग जाता है कि कमोबेश ऐसे ही प्रसंग में राजद्रोह की धाराओं में मामले का निशाना बने, जेएनयू के ही छात्र नेता उमर खालिद तथा दिल्ली के दंगे के तथाकथित वृहत्तर षडयंत्र के मामले के अन्य आरोपियों तथा भीमा–कोरेगांव मामले के आरोपियों के मामले में तो, इतने वर्ष बाद भी शासन को इस तरह का कोई श्चेतश नहीं आया है। उल्टे उमर खालिद तो करीब पांच साल से जेल में ही बंद है और उसे जमानत मिलने के अब भी कोई आसार नजर नहीं आते हैं।

यह किसी से छुपा हुआ नहीं है कि शहला राशिद और हार्दिक पटेल, दोनों के राजद्रोह के आरोपों से मुक्त किए जाने का सीधा संबंध, उन पर आरोप लगाए जाने के बाद गुजरे इन कई वर्षों में, उनके अपना राजनीतिक रुख बदलकर, नरेंद्र मोदी निजाम का मुखर समर्थक बन जाने से है। हार्दिक पटेल तो इस दौरान भाजपा में शामिल होकर, उसके टिकट पर चुनाव लड़कर विधानसभा में भी पहुंच चुके हैं, जबकि शहला राशिद भी कश्मीर की राजनीति में सक्रिय, भाजपा और मोदी समर्थक माने जाने वाले एक ग्रुप के साथ जुड़ी हुई हैं। इस तरह, इन दोनों के नाम अब ऐसे लोगों की लंबी सूची में जुड़ गए हैं, जो पहले भाजपा और मोदी राज के विरोधी रहे थे और तब वर्तमान शासन की विभिन्न एजेंसियां उनके पीछे लगा दी गयी थीं। लेकिन, बाद में जब उन्होंने अपने राजनीतिक विचार बदलकर भाजपा तथा मोदी राज का समर्थन करना शुरू कर दिया, इनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई भी बंद कर दी गयी। प्रसंगवश याद दिला दें कि इंडियन एक्सप्रेस की एक चर्चित खोजी रिपोर्ट में ऐसे पूरे 25 पूर्व–विपक्षी नेताओं के मामलों की जांच–पड़ताल की गयी थी, जिनके खिलाफ 2014 में मोदी निजाम के आने के बाद से भ्रष्टड्डाचार के गंभीर आरोप लगाकर सीबीआई, ईडी तथा आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों से जांच शुरू करायी गयी थी, बहुप्रचारित पूछताछ से लेकर कुछ मामले में गिरफ्तारी तक की कार्रवाइयां भी की गयी थीं। लेकिन बाद में इन नेताओं के राजनीतिक रूप से पल्टी मारकर सत्तापक्ष के साथ जा मिलने के बाद, कम से कम 23 मामलों में उन्हें केंद्रीय एजेड्क्षसयों के शिकंजे से राहत मिल गयी। इस सूची में 2015 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा मिले, असम के हिंता बिस्वशर्माय 2020 में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए बंगाल के सुवेंदु अधिकारीय 2019 में तेलुगू देशम पार्टी छोड़कर आंध्र प्रदेश में भाजपा में शामिल हुए सीएम रमेशय 2019 में ही सपा को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए संजय सेठ से लेकर, 2023 में एनसीपी में विभाजन कर, भाजपा के साथ गठजोड़ में जा बैठे अजित पवार और 2024 में ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा मिले, नवीन ड्क्षजदल तक के नाम शामिल हैं।

याद रहे कि यह सूची राष्टड्डीय स्तर के नेताओं की ही है। राज्य स्तर पर तथा उससे भी नीचे, केंद्रीय एजेसियों के दबाव के जरिए, इस तरह दल–बदलकर भाजपा और मोदी राज के पाले में जाने के लिए मजबूर किए गए राजनीतिक नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की संख्या और कई गुना बड़ी होगी। इनमें 2015 से लेकर हाल में 2024 तक के मामलों का शामिल होना इसे रेखांकित करता है कि यह एक लगातार जारी प्रक्रिया का या कहना चाहिए कि स्थायी व्यवस्था का मामला है, जिसमें केंद्रीय एजेंसियों की जांच और उनके आरोपों के डंडे से हांककर, विरोधियों को सत्ता के पाले में धकेला जा रहा है। फिर भी, राजद्रोह या यूएपीए जैसी धाराओं के आरोपियों का भी इस सूची में शामिल हो जाना, इस भयावह परिदृश्य को और भी भयानक बना देता है। कहने की जरूरत नहीं है कि ये अति–दमनकारी धाराएं, दुर्लभतम मामलों में और बिल्कुल अकाट्य मामलों में ही उपयोग किए जाने का तकाजा करती हैं। वास्तव में राजद्रोह की धारा को तो औपनिवेशिक दौर का अवशेष मानते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने उसके उपयोग पर रोक की लगा दी थी। लेकिन, इस अति–दमनकारी व्यवस्था के अपने अतिरिक्त प्रेम के चलते, मोदी सरकार ने अपने नये फौजदारी कानूनों में नये नाम से इस धारा को न सिर्फ पुनर्जीवित कर दिया है बल्कि उसका दायरा फैलाकर, उसे और घातक भी बना दिया है। हार्दिक पटेल और शहला राशिद का प्रकरण यह दिखाता है कि मोदी राज में ऐसे कानूनों की भी शक्तियों का किस तरह अंधाधुंध और सत्ताधारियों के क्षुद्र तथा हल्के स्वार्थों के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है।

शमा–रोहित विवाद–घृणा का नया विषय

दशक भर से अधिक समय से हिन्दू–मुस्लिम का खेल खेलते भारत को इसके लिये हर रोज नया विषय चाहिये होता है। देश की दो प्रमुख कौमों को आपस में लड़ाकर हिन्दू वोटों का ध्रुवीकरण करते हुए इस खेल की माहिर भारतीय जनता पार्टी सत्ता पाने और उस पर बने रहने का रहस्य बूझ चुकी है। वह जान गयी है कि जब तक वह मानव जीवन के हर पक्ष में हिन्दू–मुस्लिम करती रहेगी, उसका वोट बैंक बढ़ता रहेगा। इसके लिये उसके पास एक व्यवस्थित प्रणाली और नेटवर्क है। किसी भी घटना में यह एंगल ढूंढ़कर निकाला जाता है और योजनाबद्ध तरीके से दोनों सम्प्रदायों के बीच नफरत फैलायी जाती है। इसके उद्देश्य को पाने हेतु भाजपा और उसके विचारों को मानने वाले हिंसा फैलाने से भी नहीं चूकते। भाजपा के अधिकृत प्रवक्ताओं के अलावा उसका आईटी सेल, पार्टी सदस्य, समर्थक और वे लोग इस प्रचार तंत्र का हिस्सा हैं जिनका काम भाजपा–राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्राप्त तोड़े–मरोड़े गये तथ्यों, असत्य एवं अर्द्ध सत्य को प्रचारित कर लोगों को प्रभावित करना होता है। कहना न होगा कि धर्म, सम्प्रदाय, जाति जैसे विषयों का सहारा लेकर भाजपा खुद को शक्तिशाली करने में 24–7 मशगूल रहती है– बिना इस बात की चिंता किए कि उसके ऐसा करने से लोकतंत्र और देश लगातार खोखला हो चला है।

पिछले कुछ अर्से से देखें तो चुनाव का वक्त हो या न हो, भाजपा ने पूरे देश को दो धड़ों में बांटकर रख दिया है। एक जो भाजपा समर्थक हैं, दूसरे में वे सारे लोग जो उसकी विचारधारा को नहीं मानते। ऐसा नहीं कि विचारों के आधार पर यह विभाजन पहली बार हो रहा हो। यह पहले भी था लेकिन विपरीत विचारों के प्रति घृणा का स्तर इतना अधिक कभी नहीं था। फिर, विचारों के भेद के आधार पर कभी भी किसी को भी न तो देशद्रोही कहा जाता था और न ही किसी को पाकिस्तानपरस्त, हिंदूविरोधी या विदेशी एजेंट। धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर एक तरह से मानों देश के दुश्मन हो गये और जो भाजपा के साथ हैं वे ही देशभक्त तथा सनातन के ठेकेदार बन बैठे हैं। चुनावों में ध्रुवीकरण के कारण मिलती सफलताओं से प्रेरित होकर भाजपा इस विमर्श को लगातार मजबूत कर रही है। एकाध छोटे–मोटे नेता के नेतृत्व में किसी गैर हिन्दू धर्म स्थल में घुसकर तोड़–फोड़ करने व उसकी मीनारों–गुम्बदों पर झंडा फहराने से लेकर भरी लोकसभा में मुस्लिम सांसद को गाली देना इसी रणनीति और मानसिकता का हिस्सा है। मुस्लिम नामों वाले शहरों, गलियों, रास्तों के नाम बदलकर उन्हें हिन्दू नाम देना सत्ता में बने रहने का नुस्खा है जो इन दिनों इस्तेमाल में बहुत ज्यादा लाया जा रहा है। भाजपा संगठन, उसकी सरकारें तथा उसके समर्थक हर रोज एक कदम आगे बढ़ते हुए दिखते हैं। हाल ही में दिल्ली के शौचालयों में औरंगजेब के चित्र लगाते हुए या मुस्लिमों की दुकानों पर लाल रंग का निशान लगाते हुए जो लोग दिख रहे हैं वे सारे इसी बड़े खेल के किरदार हैं। देश के चार स्थानों (प्रयागराज, उज्जैन, हरिद्वार एवं नासिक) में हजारों वर्षों से कुम्भ लगता आया है परन्तु हिन्दू धर्म का जो ज्वार इस बार के प्रयागराज में उठा वह पहले कभी नहीं देखा गया था। इसके जरिये पहले से भाजपा व उसकी सरकारों ने अपने समर्थकों का आधार बढ़ाना तय किया था। ऐलान कर दिया गया कि इसमें मुस्लिमों को दुकानों नहीं लगाने दी जायेंगी। ऐसा हुआ भी। हर तीसरे साल किसी न किसी कुम्भ का आयोजन होता है। तय मानिये कि अब हर कुम्भ (अर्द्ध कुम्भ भी) में यही तरीका पैटर्न दिखेगा। एक समय था जब कुम्भ के जरिये न सिर्फ सनातन एकता की बात होती थी, वरन उसमें देश के सभी धर्मावलम्बियों का समावेश व योगदान रहता था क्योंकि ये मेले भारत के केवल धार्मिक नहीं वरन सांस्कृतिक आयोजन भी रहे हैं। अब इन्हीं मंचों से भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने और संविधान की बजाये मनुस्मृति लागू करने की मांगें उठने लगी हैं।

अभी देश प्रयागराज की भगदड़ों के दुख से पूरी तरह से उबर भी नहीं पाया है पर उसमें मुस्लिम एंगल की तलाश प्रारम्भ हो गयी है। दूसरी ओर विभाजन को और चौड़ा करने वाला नया विषय उपलब्ध हो गया है। इस वक्त आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत भारत शानदार प्रदर्शन कर रहा है परन्तु उसमें शहिटमैनश कहे जाने वाले रोहित शर्मा का प्रदर्शन अपेक्षाओं और उनकी ख्याति के अनुकूल नहीं होने के कारण वे आलोचना के पात्र बन गये हैं। ऐसा हर खिलाड़ी के साथ होता है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने इस बाबत एक ट्वीट किया कि श्रोहित शर्मा मोटे व आलसी हो गये हैंश। इसमें ऐसी कोई बेजा बात नहीं थी क्योंकि खेल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन व फिटनेस पर खेलप्रेमी हमेशा चर्चा करते रहते हैं। वैसे भी क्रिकेट को तो भारत का एक धर्म ही कहा जाता है क्योंकि यह बहुत लोकप्रिय है। चूंकि शमा का सम्बन्ध कांग्रेस से है, मुस्लिम भी हैं तथा रोहित सवर्ण हिन्दू (हालांकि खेल, फिल्म आदि में यह नहीं देखा जाता), सो वातावरण में विष घोलने के लिये यह काफी है। सोशल मीडिया में यह खेल इसी बहाने से चल रहा है। लोकप्रिय विमर्श की प्रयागराज में सफलता तथा हाल ही में वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव से उत्साहित यह वर्ग देश भर की मस्जिदों, दरगाहों, मजारों के नीचे मंदिर ढूंढने में लग गया है। इसके जरिये हर शहर–कस्बे में हिन्दू–मुस्लिम संघर्षों की जमीन तैयार की जा चुकी है।

लगी आग की जद में रक्षा खडसे

देश भर में, खासकर भारतीय जनता पार्टी शासित प्रदेशों में कानून–व्यवस्था एक बड़ी समस्या बनी हुई है, लेकिन पिछले 11 वर्षों से देश को साम्प्रदायिकता और नफरत फैलाने में ऐसा व्यस्त कर दिया गया है कि बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के साथ इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर किसी का ध्यान नहीं हैय या यों कहें कि जाने नहीं दिया जा रहा। रक्षा खडसे की बेटी अपनी कुछ सहेलियों के साथ शुक्रवार को जलगांव जिले के कोठली गांव में महाशिवरात्रि के अवसर आयोजित होने वाले धार्मिक मेले में घूमने गयी थी, जिसे श्संत मुक्ताई यात्राश कहा जाता है। वहां कुछ मनचलों ने उनके साथ धक्का–मुक्की और छेड़खानी की। यहां तक कि उनके वीडियो भी बनाये, जबकि उनके साथ यूनिफॉर्म में सुरक्षाकर्मी भी थे। उनके साथ भी धक्का–मुक्की हुई। रक्षा खडसे ने रविवार को स्वयं थाने जाकर इसकी रिपोर्ट लिखाई तब कहीं जाकर पुलिस हरकत में आई और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया। यह घटना छोटी लग सकती है लेकिन राहत इंदौरी ने जो इशारा अपने शेर में कर रखा है, वही इस घटना में छिपा हुआ संदेश है। केन्द्र सहित जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, उनमें अपराधों का ग्राफ बेतरह ऊपर जाने की तस्दीक स्वयं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो अपने अधिकृत आंकड़ों में करता है। इनमें जघन्य अपराधों के साथ महिलाओं के उत्पीड़न, दुष्कर्म, उनकी हत्याओं जैसे जुर्म शामिल हैं। इसकी ओर जब ध्यान आकृष्ट किया जाता है तो स्थिति सुधारने की बजाये उनका बचाव किया जाता है या फिर उन राज्यों में होने वाले किसी अपराध की ओर उंगली उठा दी जाती है जहां गैर भाजपायी सरकार है। या कह दिया जाता है कि ऐसा भाजपा सरकार को बदनाम करने के लिये किया जा रहा है। यह रूझान भी देखने को मिलता है कि ऐसे अपराधों में हिन्दू–मुस्लिम का एंगल ढूंढा जाता है या फिर यह देखा जाता है कि इसमें कौन भाजपा समर्थक है और कौन गैर–भाजपायी। यदि अपराधी भाजपा से सम्बन्ध रखता है तो उस पर अपराध दर्ज नहीं होगा। उल्टे शिकायतकर्ता या पीड़ित पक्ष को ही लेने के देने पड़ जाते हैं।

इस मामले में सब कुछ अलग है। यहां भाजपा की श्डबल इंजिनश सरकार है। पीड़िता का सम्बन्ध भाजपा से ही है। उल्लेखनीय है कि रक्षा भाजपा के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे की बहू हैं। यानी जिसके साथ छेड़छाड़ हुई है वह उनकी पोती है। साथ में महाराष्ट्र सरकार के मुहैया कराये सुरक्षा कर्मचारी भी थे। ऐसे में यदि उसके साथ अपराध होता है तो समझ सकते हैं कि कानून–व्यवस्था का क्या हाल है। भाजपा वालों के लिये अधिक दिक्कत यह है कि जिसे पकड़ा गया है व जिनकी तलाश है, उनमें उस जमात के लोग नहीं निकले जिनके होने की ख्वाहिश हर भाजपायी, उसके प्रवक्ता, आईटी सेल, और ट्रोल आर्मी करते हैं। अब उनके पास ऐसा कुछ नहीं रह गया कि वे भाजपा का बचाव कर सकें या इस पर किसी समुदाय विशेष, दल अथवा सरकार को घेरा जा सके। घृणा फैलाने या विष–वमन करने की उनकी रही–सही गुंजाइश पर खुद रक्षा खडसे ने यह बयान देकर पानी फेर दिया कि, जब मंत्री की बेटी सुरक्षित नहीं है तो आम आदमी के साथ क्या होता होगा? एकनाथ खडसे ने तो अपनी सरकार को ही यह कहकर घेर लिया कि, महाराष्ट्र में अपराध बढ़े हैं और अपराधियों को पुलिस का डर नहीं रहा। वैसे मुख्यमंत्री देवेन्द्र इसे श्एक राजनीतिक दल से जुड़े लोगों की करतूत बता रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि यह वही महाराष्ट्र है जिसमें पालघर में दो साधुओं की हत्या के बाद भाजपा ने तत्कालीन उद्धव ठाकरे सरकार को श्हिन्दू विरोधी करार दिया था। भाजपा द्वारा अपराधों के राजनीतिकरण और दोहरे रवैये की बानगी देश तभी से देख रहा है जब से नरेन्द्र मोदी सरकार केन्द्रीय सत्ता में आई है। हिन्दू वोटों के ध्रुवीकरण के लिये भाजपा ने देश को अपराधों की दुनिया में धकेल दिया है। ऐसा कहना गलत नहीं होगा कि इसका नेतृत्व स्वयं मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह करते हैं। कथित बुलडोजर न्याय वाला उत्तर प्रदेश महिलाओं के खिलाफ अपराधों में अव्वल है। हाथरस, उन्नाव आदि की घटनाओं में पीड़िताएं ही प्रताड़ित हुईं। मणिपुर की वह घटना कौन भूलेगा जिसमें ईसाईयत में विश्वास करने वाले कुकी आदिवासी समुदाय की दो युवतियों के साथ हिन्दू धर्म में आस्था रखने वाले मैतेयी लोगों ने क्या सलूक किया था। उनके साथ बलात्कार हुआ फिर उनकी नग्न परेड निकाली गयी। लगभग दो साल पहले हुए इस नृशंस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तो दूर, वहां की सरकार और मोदी–शाह दोनों मौन रहे। यह मामला दुनिया भर में गूंजा था तथा जो बाइडेन के राष्ट्रपति रहते जब मोदी ने अमेरिका की यात्रा की थी, तब उनसे सवाल भी किये गये थे।

सदन में बोले सीएम योगी

- संभल में 68 तीर्थों को खत्म करने की कोशिश हुई
- महाकुंभ अग्निपरीक्षा थी जिसमें हम खरे उतरे
- महाकुंभ में आईं 33 करोड़ महिलाएं, सभी रहीं सुरक्षित
- डिजिटल क्रांति का गढ़ बनकर उभरा यूपी

'औरंगजेब को आदर्श मानने वाले विधायक को यूपी भेजिए, इलाज कर देंगे': CM योगी

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी के बजट सत्र में विधान परिषद को संबोधित करते हुए महाकुंभ के आयोजन का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि यह ऐसा आयोजन था जिसे लंबे समय तक दुनिया याद रखेगी। उन्होंने कहा कि कुछ पार्टियां इससे सहमत नहीं थीं और महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार किया फिर भी लोगों की आस्था नहीं डिगी।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, एक साथ 41 PCS अधिकारियों के तबादले

शासन में पीसीएस स्तर पर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। एक साथ 41 पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए गए। इसमें से ज्यादातर एसडीएम हैं। बुधवार की सुबह हुए इन तबादलों में देवरिय के अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव को सिद्धार्थ नगर का अपर जिलाधिकारी बनाया गया है। इसी तरह मेरठ की अपर नगर आयुक्त ममता मालवीय को अपर जिलाधिकारी मुरादाबाद नियुक्त किया गया है।

शादी की पहली सालगिरह पर मौत

कमरे में फंदे पर लटकी थी पत्नी, पेड़ पर पति का शव...दोनों ने इस वजह से दे दी जान

शादी की सालगिरह पर पहले पत्नी और फिर पति ने फंदा लगाकर जान दे दी। दोनों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस मौत के कारणों की पता लगा रही है। हालांकि प्रथम दृष्टया दोनों की जान देने की वजह रात को हुआ विवाद बताया जा रहा है..

प्रदेश में महापुरुषों के नाम शुरू होंगी दस योजनाएं

लक्ष्मीबाई से लेकर कबीर–शबरी शामिल

यूपी में 10 महापुरुषों के नाम पर 10 योजनाएं

स्कूटी योजना लक्ष्मीबाई के, छात्रावास आंबेडकर के नाम पर

गोरखपुर। यूपी में दस योजनाएं 10 महापुरुषों के नाम पर शुरू होंगी। सीएम योगी ने सदन में विशेष रूप से जानकारी दी। इनका जिक्र बजट के दौरान भी हुआ था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के बजट पर चर्चा के दौरान कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा की। करीब दस ऐसी योजनाएं महापुरुषों को समर्पित करते हुए सीएम ने कहा कि यह पहल उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर और समरस समाज की दिशा में नई ऊंचाई देगी। इन योजनाओं से कृषि, उद्योग, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में विकास होगा। साथ ही रोजगार सृजन, महिला सशक्तीकरण और बौद्धिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

माता शबरी के नाम पर कृषि मंडियों में कैंटीन और विश्रामालय

भक्ति और समर्पण का प्रतीक माता शबरी के नाम पर कृषि मंडियों में कैंटीन और विश्रामालय की स्थापना से किसानों और श्रमिकों को सस्ते दर पर भोजन व आराम की सुविधा मिलेगी। सरकार ने अयोध्या में भी शबरी के नाम पर भोजनालय बनाया है।

सरदार पटेल के नाम पर जनपदीय आर्थिक क्षेत्र

हर परिवार से न्यूनतम एक व्यक्ति को रोजगार से जोड़ने के लिए जनपदीय आर्थिक क्षेत्र रोजगार जोन के रूप में बड़ा एलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जनपद की विशेषताओं और संभावनाओं को देखते हुए 100 एकड़ में पीपीपी मॉडल पर इसका विकास किया जाएगा। यह अनूठी पहल देश के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल को समर्पित होगी।

माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर श्रमजीवी महिला हास्टल

कामकाजी महिलाओं के लिए वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर नगर, झांसी और आगरा में वर्किंग वुमेन हॉस्टल बनेंगे। सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अग्रदूत रहीं अहिल्याबाई के नाम पर ये हॉस्टल उनके 300वें जयंती वर्ष में अर्पित किए जाएंगे।

महारानी लक्ष्मीबाई मेधावी छात्रा स्कूटी योजना

रानी लक्ष्मीबाई भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की अमर वीरांगना थीं। उनके नाम पर मेधावी बालिकाओं को स्कूटी देने की योजना शुरू की गई है।

संत कबीरदास के नाम पर सीएम मित्र पार्क योजना

मानवता और श्रम की महत्ता का प्रचार करने वाले महान संत कबीरदास के नाम पर 10 टेक्सटाइल पार्क स्थापित होंगे। इससे प्रदेश के कपड़ा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। पहले लखनऊ– हरदोई में निर्माणाधीन पीएम मित्र पार्क को भी योगी कैबिनेट ने संत कबीर को ही समर्पित किया था।

चर्मोद्योग पार्क संत रविदास के नाम पर

समाज में समानता और श्रम की प्रतिष्ठा के पक्षधर संत रविदास के नाम पर प्रदेश में दो लेदर पार्क स्थापित किए जाएंगे, जिनमें से एक आगरा में होगा। यह योजना चर्म उद्योग को नई दिशा देने के साथ–साथ हजारों कारीगरों और श्रमिकों को रोजगार देगी।

लखनऊ में सीड पार्क भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के नाम पर

पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न चौधरी चरण सिंह के नाम पर लखनऊ में सीड पार्क स्थापित किया जाएगा, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज और कृषि संबंधी संसाधन उपलब्ध होंगे।

नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय भारत रत्न अटल बिहारी के नाम पर

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मशताब्दी वर्ष मना रही सरकार ने अटल जी के नाम पर प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय बनाने के लिए भी बजटीय प्रावधान किया है।

भारत रत्न बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर के नाम पर छात्रावास

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर समाज कल्याण छात्रावासों के पुनर्निर्माण और नव निर्माण की योजना से दलित, पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षा में सहायता मिलेगी।

बिरसा मुंडा को समर्पित दो जनजातीय संग्रहालय

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 150 वें जन्मवर्ष को जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मना रही सरकार ने मिर्जापुर और सोनभद्र में उनके नाम पर दो जनजातीय संग्रहालय स्थापित करने की योजना बनाई है। इसके लिए बजट में धनराशि का प्रावधान किया गया है।

यूपी विधानसभा में पान-मसाला और गुटखा पर लगा बैन

'जिंदा हूं कि मर गया', दबंगों ने पीटने के बाद किया ये काम, गोविंद हत्याकांड में दोस्त शिवम का बड़ा खुलासा

कानपुर के गोविंद पाल हत्याकांड में नया खुलासा हुआ है। हैलट में भर्ती गोविंद पाल के दोस्त शिवम ने पुलिस को चौंकाने वाली बातें बताई हैं। शिवम ने पुलिस को बताया कि कार से टक्कर मारने के बाद फौजी मनोज यादव और उसके साथियों ने लाठी डंडों से पीटा। सिर में चोट लगने से दीपक बेहोश हो गया और गोविंद की मौके पर मौत हो गई।

आईपीएस अंशिका वर्मा को मिला वुमेन आइकन अवार्ड

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने किया सम्मानित

बरेली। दिल्ली में ब्रिक्स चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित पांचवें वार्षिक महिला शिखर सम्मेलन में आईपीएस अंशिका वर्मा को सम्मानित किया गया है। अंशिका वर्तमान में बरेली में एसपी साउथ की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। महिला दिवस से पहले आईपीएस एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने नई दिल्ली में पांचवें वार्षिक ब्रिक्स सीसीआइवीई महिला शिखर सम्मेलन में प्रतिभाग किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अंशिका वर्मा के काम पर आधारित पुस्तक का विमोचन करने के साथ ही उनको सम्मानित भी किया।

एलडीए का बड़ा फैसला, अंसल में नई रजिस्ट्री पर लगी रोक

जमीन घपले की जांच के लिए फोरेंसिक आडिट शुरू

लखनऊ। अंसल में जमीन घोटाले के एक से अधिक मामले सामने आने के बाद एलडीए ने नई रजिस्ट्री करने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। साथ ही साथ अंसल के बैंक खाते भी सीज कर दिए गए हैं। एलडीए ने शहीद पथ स्थित अंसल एपीआई की सुशांत गोल्फ सिटी हाईटेक टाउनशिप में नई रजिस्ट्री पर रोक लगा दी है। इसके अलावा टाउनशिप की फोरेंसिक ऑडिट के लिए टीम भी बनाई है, जिसने जांच शुरू कर दी है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि रजिस्ट्री पर रोक को लेकर तीन महीने पहले भी जिला प्रशासन और निबंधन कार्यालय को सूचना भेजी गई थी। इसके बाद भी अंसल की ओर से कुछ रजिस्ट्री किए जाने की शिकायत आई है। अंसल के खिलाफ जो एफआईआर कराई गई है, उसमें इसका भी उल्लेख है। आगे रजिस्ट्री न हो, इसके लिए रजिस्ट्री पर रोक का आदेश फिर से जारी किया गया है। इसकी जानकारी रिसीवर को भी जा रही है। इसके अलावा सुशांत गोल्फ सिटी टाउनशिप की फोरेंसिक ऑडिट भी शुरू कराई जा रही है। ऑडिट की टीम अंसल के अभिलेखों, सम्पत्तियों, जनसुविधाओं, टाउनशिप के अंदर व बाहर कराए गए विकास कार्यों की पूरी जांच करेगी। ऑडिट के लिए मेसर्स अग्रवाल गुप्ता व अरोड़ा चार्टर्ड एकाउंटेंट कंपनी को नियुक्त किया गया है।

अंसल के बैंक खातों पर लगी रोक

अंसल प्रापर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी मामले में राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की ओर से नियुक्त रिसीवर ने अंसल के सुशांत गोल्फ सिटी के बैंक खातों के संचालन पर रोक लगा दी है। अब कंपनी के अधिकारी उन खातों से रुपये नहीं निकाल पाएंगे। इसको लेकर रिसीवर की ओर से बैंकों को पत्र भेजा गया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि खातों के संचालन के लिए नए अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। फाइनेंस कंपनी के बकाया पर एनसीएलटी ने अंसल के बोर्ड को भंग करते हुए नवनीत गुप्ता को रिसीवर को नियुक्त किया है। रिसीवर व उनकी टीम ने सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अंसल बिल्डर के ऑफिस में दस्तावेजों की जांच की थी। बुधवार को भी टीम ने दोबारा ऑफिस पहुंचकर दस्तावेजों की जांच की। कंपनी से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि रिसीवर ने बैंक खातों पर रोक लगा दी है। ऐसे में कंपनी के खातों में पड़े रुपये अब कंपनी के अधिकारी नहीं निकाल पाएंगे। रिसीवर की टीम में सात सदस्य शामिल हैं। इनकी ओर से जमीन की खरीद फरोख्त, आवंटन, जमा पैसा से लेकर रजिस्ट्री और कब्जे तक हर बिंदु पर अलग–अलग रिपोर्ट मांगी गई है। कंपनी के कर्मचारियों ने कुछ रिपोर्ट बनाकर सौंप दी हैं और कुछ तैयार कर रहे हैं।

'मैं असहाय हूं...' पीड़िता ने पत्र में लिखीं ये बातें

कानपुर। यौन शोषण की शिकार कानपुर आईआईटी की पीएचडी छात्रा ने डीजीपी को ई–मेल के जरिए पत्र लिखा है। पत्र में छात्रा ने खुद को असहाय बताया है। पढ़िए पीड़िता ने पत्र में क्या–क्या लिखा है। यौन शोषण की शिकार आईआईटी की पीएचडी छात्रा ने डीएसपी मोहसिन खान के खिलाफ विभागीय कार्रवाई न होने पर यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार को ई–मेल कर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता ने मेल में खुद को असहाय बताते हुए लिखा है कि वह ऐसी व्यवस्था में न्याय की मांग कर रही हैं जिसने उन्हें निराश किया है।

छात्रा ने कहा कि मैं समझती हूं कि राज्यभर में कानून–व्यवस्था बनाए रखने में आपकी बहुत बड़ी जिम्मेदारी हैं। मेरे पास सीधे आपसे अपील करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मेरे मामले में मजबूत सबूतों के बावजूद, व्यवस्थागत देरी और कई स्तरों पर भ्रष्टाचार हो रहा है। 12 दिसंबर 2024 को मैंने कानपुर में तैनात रहे पूर्व एसीपी मोहम्मद मोहसिन खान के खिलाफ कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद मोहसिन को डीजीपी ऑफिस से संबद्ध कर दिया गया था। अटैच होने के बावजूद उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। 19 दिसंबर 2024 को उसने हाईकोर्ट से स्टे लेकर चार्जशीट तक गिरफ्तारी पर रोक लगवा दी। मुझे नहीं पता कि कोर्ट में क्या हुआ, लेकिन मैंने जो सबूत पेश किए हैं, उन्हें देखते हुए इस तरह के निर्णय के लिए एकमात्र संभावित स्पष्टीकरण अनुचित प्रभाव और भ्रष्टाचार प्रतीत होता है। आरोपी, आचार संहिता से बंधा एक पुलिस अधिकारी है जिसने न केवल अपने अधिकार का दुरुपयोग किया, बल्कि शादीशुदा होते हुए भी अवैध संबंध में लिप्त रहा। एक ऐसा कृत्य जो पुलिस सेवा नियमों और कानून प्रवर्तन अधिकारी से अपेक्षित मौलिक व नैतिकता का उल्लंघन करता है।

याचिका में स्वीकारा, रिश्ता सहमति से था

पीड़िता ने मेल के साथ आरोपी की रिट अटैच करते हुए बताया कि आरोपी ने अपनी याचिका में स्वीकार किया है कि रिश्ता 'सहमति' से था और दोनों पक्ष वयस्क थे। जाहिर है कि शादीशुदा होकर भी पुलिस अधिकारी का इस तरह का व्यवहार करना करना गलत है। ये कृत्य तत्काल विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग करता है। छात्रा ने डीजीपी से इस मामले में हस्तक्षेप करने और मोहसिन को तत्काल निलंबित करने की मांग की।

ईमानदारी, सार्वजनिक विश्वास और पेशेवर नैतिकता का घोर उल्लंघन

पीड़िता ने विभागीय जांच में दोषी पाए जाने पर मोहसिन की बर्खास्तगी की मांग की। कहा कि यूपी पुलिस को एक मिसाल कायम करनी चाहिए कि इस तरह के कदाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। न्याय में देरी न्याय से इन्कार करने के समान है। डीजीपी से कहा कि वह उनके अधिकार और पुलिस बल की ईमानदारी पर अपना विश्वास रखती हैं। उम्मीद है कि उनकी बात अनसुनी नहीं की जाएगी।

झोपड़ी में चर्च बनाकर करवाते थे प्रार्थना सभा...

गोरखपुर। पैसा, सुविधा और नौकरी के नाम पर बरगलाकर धर्मांतरण कराने वालों पर सख्ती शुरू कर दी गई है। इसके लिए लखनऊ, अयोध्या, देवीपाटन, प्रयागराज व कानपुर मंडल के लिए जांच टीम का गठन कर दिया गया है। मिशनरियों का मिशन मुस्लिम अभियान सामने आने पर शासन ने सख्ती शुरू कर दी है। लखनऊ, अयोध्या, देवीपाटन, प्रयागराज व कानपुर मंडल में बरगलाकर धर्मांतरण कराने वालों की पहचान के लिए टीम गठित की गई है। सख्ती देख प्रलोभन और अंधविश्वास के नाम पर आर्थिक रूप से कमजोर मुस्लिम परिवारों को निशाना बनाने वाली मिशनरियों ने आगामी आदेश तक रविवार को होने वाली प्रार्थना सभा और चंगाई सभा पर रोक लगा दी है।

अक्सर प्रार्थना सभा में शामिल होने वाले अयोध्या के अमानीगंज निवासी पवन कुमार व बिहार से सटे कुशीनगर जिले के गंगुआ मठिया गांव के प्रतीक गुप्ता के साथ ही आसिफ ने बताया कि इस रविवार प्रार्थना सभा स्थगित होने का संदेश आया है। कहा गया है कि अगले आदेश तक घर पर ही रहकर ही प्रार्थना करें। आईबी के पूर्व अधिकारी संतोष सिंह बताते हैं कि शासन की सख्ती का ही असर है कि इलाज और आर्थिक मदद के नाम पर धर्मांतरण कराने वाली मिशनरियों ने कार्रवाई से बचने के लिए अब गांवों में झोपड़ी में चर्च की व्यवस्था की तैयारी की है। छप्पर में ही कन्फेशन रूम, प्रार्थना स्थल, धर्मग्रंथों के रखने की व्यवस्था की जा रही है, जहां नियमित प्रार्थना सभा की तैयारी है। सप्ताह में एक दिन बाहर से पादरी के भेजने का इंतजाम किया गया है। श्रावस्ती मामले में ऐसा ही हुआ है। वहां झोपड़ी में ही प्रार्थना सभा शुरू की गई थी, जहां बहराइच व श्रावस्ती के साथ ही नेपाल से भी बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर हिन्दू और मुस्लिम परिवार पहुंच रहे थे। इसी प्रकार बलरामपुर के नेपाल से सटे थारू क्षेत्र में भी झोपड़ी को चर्च का रूप दिया गया है। इससे मिशनरियों को चर्च निर्माण के लिए प्रशासन से अनुमति की जरूरत नहीं पड़ रही और किसी को वहां चल रहे खेल का भी जल्दी पता नहीं चल रहा। सुरक्षा एजेंसियों तक खबर पहुंचने तक चर्च का स्थान बदल दिया जा रहा है।

इन पर है नजर

पांच फरवरी 2024 को बाराबंकी में धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार खंडासा गांव निवासी राम जनम अब भी प्रार्थना सभाओं में शामिल होता है। वह अपने साथ अन्य लोगों को भी ले जाता है। गडौली निवासी सरजू प्रसाद गौतम भी सक्रिय है। सोनम काफी दिनों से लापता है।

अयोध्या क्षेत्र का निवासी घनश्याम गौतम झाड़ फूंक का काम करता था, वहीं से पीड़ित लोगों का विवरण मिशनरियों तक पहुंचाता था। अयोध्या के ही हारुन अपने समाज के गरीब परिवारों की सूची मिशनरियों को उपलब्ध करा रहा है। इन सभी पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर है। देवीपाटन परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक अमित पाठक का कहना है कि धर्मांतरण के मामले में देवीपाटन मंडल के चारों जिलों के एसपी को सचेत किया गया है। कहीं पर भी धर्मांतरण का कोई मामला आता है तो त्वरित कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों को ट्रेस भी किया जा रहा है। सीमावर्ती क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों में निगरानी बढ़ाई गई है।

नैनी थाने का हिस्ट्रीशीटर है पिंटू महरा

हत्या समेत कई संगीन मुकदमों में जा चुका है जेल

प्रयागराज। महाकुंभ मेले के दौरान अरैल के जिस पिंटू महरा ने अपने परिवारवालों संग मिलकर 30 करोड़ रुपये कमाए, वह नैनी थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास समेत कई संगीन धाराओं के मुकदमे दर्ज हैं। 2009 में अरैल में हुए जघन्य दोहरे हत्याकांड का भी वह आरोपी है। महाकुंभ मेले के दौरान अरैल के जिस पिंटू महरा ने अपने परिवारवालों संग मिलकर 30 करोड़ रुपये कमाए, वह नैनी थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास समेत कई संगीन धाराओं के मुकदमे दर्ज हैं। 2009 में अरैल में हुए जघन्य दोहरे हत्याकांड का भी वह आरोपी है। उसके दो भाई व पिता भी थाने के हिस्ट्रीशीटर रहे हैं।

पिंटू अरैल निवासी बच्चा महरा का तीसरे नंबर का बेटा है। उसके पिता बच्चा पर कई मुकदमे दर्ज थे और जेल में निरुद्ध रहते हुए इलाज के दौरान उसकी मौत हुई थी। उसका बड़े भाई आनंद महरा का भी आपराधिक रिकॉर्ड था और कई साल पहले दो अन्य लोगों समेत उसकी यमुना नदी के बीच नाव में हत्या कर दी गई थी। पिंटू से बड़ा अरविंद महरा भी नैनी थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

पिंटू पर एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। इसमें हत्या, हत्या के प्रयास, बलवा, बमबाजी–फायरिंग समेत अन्य संगीन धाराओं के मुकदमे शामिल हैं। 2009 में नैनी के लोकपुर में हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड में भी वह अपने भाई अरविंद व परिवार के दो अन्य युवकों समेत नामजद हुआ और गिरफ्तार कर जेल भी भेजा गया। इसमें अनिरुद्ध उर्फ बर्रू निषाद व उसके छोटे बेटे छगन निषाद को रास्ते में रोककर दो गाड़ियों से आए हमलावरों ने बम–गोलियों से भून दिया था।

इसके बाद 2017 में हत्या के एक और मुकदमे में पिंटू नामजद हुआ। बर्रू हत्याकांड का वादी उसके बेटे गगन निषाद पर 2017 में बम–गोलियों से हमला हुआ। इसमें कुल तीन लोग जख्मी हुए जिनमें से एक की मौत हो गई थी। 28 अगस्त 2022 को उसके खिलाफ दारागंज थाने में एक और मुकदमा दर्ज हुआ। आरोप लगा कि सोनभद्र जेल में रहने के दौरान उसने बर्रू निषाद के परिवार को धमकाकर गवाही अपने पक्ष में करा ली थी। मामले की शिकायत जिला जज को भेजी गई थी। इसके साथ एक ऑडियो भी भेजा गया था।

नाव चलाने के लिए रंगदारी मांगने का आरोप

पिंटू महरा समेत आठ लोगों पर महाकुंभ के दौरान

नाविक से रंगदारी मांगने समेत अन्य आरोपों में 11 फरवरी को मेला कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया। अरैल निवासी नाविक शनि निषाद ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसके भाई पिंटू निषाद को मारपीट कर घायल कर दिया। धमकाया कि नाव चलाना है तो सभी को पांच–पांच हजार रुपये देने होंगे। वरना जान से मारकर फेंक दिए जाओगे। आरोप यह भी है कि इससे पहले भी आरोपी दोनों भाइयों से आठ हजार रुपये छीन चुके थे।

गंजिया परिवार से चलती है अदावत

नैनी में महरा व गंजिया परिवार की अदावत लंबे समय से चली आ रही है। इसमें कई जानें जा चुकी हैं। इसमें महरा परिवार पर हमले हुए तो पप्पू गंजिया को भी जान से मारने की कोशिशें हुईं। आनंद की हत्या में पप्पू गंजिया का नाम आया तो कई साल पहले गऊघाट में चौतरफा घेरकर पप्पू पर बम–गोलियों से हमला किया गया। जिसमें वह बाल–बाल बच गया था। उधर बर्रू निषाद की हत्या के बाद उसके बेटे गगन से भी महरा परिवार की रंजिश चल रही है।

बब्बर खालसा का आतंकी यूपी से गिरफ्तार

प्रयागराज। यूपी के कौशांबी के कोखराज थाना इलाके से गिरफ्तार आतंकवादी बब्बर खालसा इंटरनेशनल (ठझए) के जर्मनी स्थित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी के लिए काम करता है। आतंकी का पाकिस्तान स्थित आईएसआई गुर्गों के सीधा संपर्क है। उत्तर प्रदेश एसटीएफ और पंजाब पुलिस को संयुक्त अभियान में बड़ी कामयाबी मिली है। गुरुवार तड़के यूपी के कौशांबी जिले से बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक सक्रिय आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया है।

बब्बर खालसा इंटरनेशनल और **ISI** मॉड्यूल के सक्रिय आतंकवादी, पंजाब के अमृतसर निवासी लाजर मसीह को यूपी एसटीएफ और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। न्यूज एजेंसी एएनआई जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आतंकवादी लाजर बब्बर खालसा इंटरनेशनल (ठझए) के जर्मन–आधारित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी के लिए काम करता है और पाकिस्तान स्थित ISI के गुर्गों के साथ सीधे संपर्क में है। यूपी एसटीएफ ने बताया कि आतंकी के पास से तीन सक्रिय हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, 13 कारतूस और एक विदेशी पिस्तौल समेत अवैध हथियार और संदिग्ध विस्फोटक पदार्थ (सफेद रंग का पाउडर) बरामद हुआ है। इसके अलावा गाजियाबाद के पते वाला आधार कार्ड, एक मोबाइल फोन (बिना सिम कार्ड) मिला है।

प्रयागराज महाकुंभ में इस बार 66.30 करोड़ श्रद्धालुओं पहुंचे। इतनी भीड़ आज तक दुनिया के किसी भी आयोजन में जुटी। इससे हैरान दुनिया भर के संस्थान और विश्वविद्यालय इस पर शोध कर रहे हैं। यहां श्रद्धालुओं की गिनती कैसे की गई, इसका जवाब है– आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी (एआई) आधारित चार मैकेनिज्म के जरिये महाकुंभ में लोगों की गिनती की गई। पहला मैकेनिज्म एट्रिब्यूट आधारित खोज है, जिसके तहत एआई आधारित सर्च कैमरों के जरिये ट्रैकिंग की गई। दूसरा मैकेनिज्म मोबाइल एप के द्वारा ट्रैकिंग है। इसमें लोगों की सहमति के बाद उनके मोबाइल फोन के जरिये जीपीएस लोकेशन डाटा का विश्लेषण किया गया। तीसरा मैकेनिज्म एआई का उपयोग करते हुए क्राउड डेंसिटी अलगोरिदम के जरिये श्रद्धालुओं की किसी क्षेत्र में सघनता के आधार पर उनकी गिनती की गई। चौथा मैकेनिज्म पर्सन एट्रिब्यूट सर्च कैमरों का था। इसकी मदद से मोबाइल एप के जीपीएस लोकेशन से गिनती में सहायता मिली।

बीआरडी मेडिकल कालेज– रैगिंग प्रकरण की जांच पूरी

गोरखपुर। जांच कमेटी ने एमबीबीएस 2024 बैच के तीन छात्रों को तलब किया था। इन छात्रों ने व्हाट्सएप ग्रुप पर मैसेज पोस्ट किया था। हुई पूछताछ में चार नए छात्रों के नाम सामने आए हैं। जबकि पीड़ित छात्र की शिकायत में पहले से ही चार छात्रों के नाम शामिल किए गए हैं। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्र की रैगिंग और पिटाई के मामले की जांच लगभग पूरी हो गई है। मामले में एमबीबीएस–2024 के छात्रों के आरोपों के बारे में छात्रों से बातचीत करके मामले की पूरी हकीकत को पता किया जा रहा है।

घटना के बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन के निर्देश जांच के लिए गठित पांच सदस्यीय स्क्वॉड कमेटी ने मंगलवार को बैठक की। इस दौरान एमबीबीएस वर्ष–2024 के छात्रों से बातचीत की गई। मामले में अब तक आठ छात्रों के नाम सामने आए हैं। कमेटी ने एमबीबीएस 2024 बैच के तीन छात्रों को तलब किया था। इन छात्रों ने व्हाट्सएप ग्रुप पर मैसेज पोस्ट किया था। मंगलवार को हुई पूछताछ में चार नए छात्रों के नाम सामने आए हैं। जबकि पीड़ित छात्र की शिकायत में पहले से ही चार छात्रों के नाम शामिल किए गए हैं। कमेटी अपनी रिपोर्ट प्राचार्य को सौंप सकती है। घटना के बाद पीड़ित छात्र ने मामले की शिकायत प्राचार्य के साथ यूजीसी के एंटी रैगिंग सेल से भी कर दी है। इसके बाद से घटना की जांच को लेकर प्रशासन सख्त हो गया। प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल के निर्देश पर मामले में कमेटी दंत रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज यादव के नेतृत्व में जांच कर रही है।

पाश कालोनी में ड्रग्स का धंधा !

गोरखपुर। इंजीनियर अभिषेक त्रिपाठी का डीएम के पास एक पत्र आया है। डीएम को भेजे गए पत्र में लिखा गया है कि पिछले कुछ दिनों से चार फ्लैट में संदिग्ध लोग रह रहे हैं। इसमें से एक शख्स अपने कार के डैशबोर्ड पर पुलिस की टोपी रखता है, वह खुद को पुलिसकर्मी बताता है। एक इंजीनियर की ओर से डीएम को भेजे गए शिकायती पत्र से हड़कंप मच गया है। इंजीनियर ने पत्र में लिखा है कि शहर के एक पॉश कॉलोनी के चार फ्लैट में पाकिस्तान और चीन के नागरिक छिपे हैं। यहां दो रशियन महिलाएं भी आती हैं। रात में ड्रग्स का धुआं उड़ाया जाता है। यही नहीं, ड्रग्स की खरीद–फरोख्त भी होती है। इस मामले की जांच सीओ एलआईयू को सौंपी गई है।

जानकारी के मुताबिक, इंजीनियर अभिषेक त्रिपाठी का डीएम के पास एक पत्र आया है। डीएम को भेजे गए पत्र में लिखा गया है कि पिछले कुछ दिनों से चार फ्लैट में संदिग्ध लोग रह रहे हैं। इसमें से एक शख्स अपने कार के डैशबोर्ड पर पुलिस की टोपी रखता है, वह खुद को पुलिसकर्मी बताता है।

हालांकि वह पुलिस वाला नहीं है। इसी की मदद से छिपे पाकिस्तान व चीन के नागरिक गलत गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। पत्र में उसने एक फिल्म का भी जिक्र किया है, जिसमें अपराध के तरीकों को दिखाया गया है। इंजीनियर ने आशंका जाहिर की है कि फिल्मी अंदाज में ये लोग अपराध को अंजाम दे रहे हैं। खुद को बचाने के लिए दिन में छिपकर रहते हैं। शाम को इनसे मिलने–जुलने वालों का आना–जाना बढ़ जाता है। डीएम ने पत्र को एसपी के पास भेजा है। एसपी सिटी ने मामले की जांच सीओ एलआईयू को सौंपी है।

पत्र के माध्यम से मिली जानकारियों की जांच कराई जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी–

अभिनव त्यागी, एसपी सिटी

मिलावट का खेलः सतर्क होकर खाएं बूंदी के लड्डू, कहीं आपके जायके में भी न हो मिलावट

गोरखपुर। जांच में सामने आया कि जहां बूंदी रखी थी, उसके नजदीक ही चावल का आटा, रंग और खराब गुणवत्ता का तेल मिला। वहां रखे गए गत्तों को चूहों ने कुतरा था। बताया गया कि एसके ट्रेडर्स नाम से यह कारखाना चल रहा है, लेकिन विभाग में इसका पंजीकरण नहीं है। इस पर सहायक खाद्य आयुक्त डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने कारखाने को सील कराते हुए सारा माल जब्त करा दिया। जांच के लिए नमूना भेजने का निर्देश दिया।

निजामपुर इलाके में बिना लाइसेंस के संचालित लड्डू की बूंदी बनाने के कारखाना को सील कर दिया गया है। यहां चावल के आटा और रंग का उपयोग कर बूंदी बनाने का धंधा चल रहा था। फैक्टरी के अंदर चूहे घूम रहे थे। उन्होंने बूंदी के बोरे व अन्य खाद्य सामग्रियों को कुतर दिया था। इसके अलावा बगल में संचालित राज फूड प्रोडक्ट्स का ताला खुलवाकर पांच नमूने लिए गए। बिना लाइसेंस लिए बनाए गए 440 गत्ते टोमैटो सॉस को सील कर दिया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम मुख्य खाद्य निरीक्षक हितेंद्र मोहन तिवारी की अगुवाई में निजामपुर में चार दिन पहले पकड़ी गई टोमैटो सॉस व सेवई बनाने वाले कारखाना की जांच करने गई थी। इस दौरान पता लगा कि बगल के कारखाना में लड्डू के लिए बूंदी बनाई जाती है। इसे शहर की कई बड़ी दुकानों पर भेजा जाता है। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम जांच करने पहुंची तो गंदगी के बीच सामान रखे थे।

निजामपुर के कारखाना में लड्डू के लिए मशीनों से बनाई जाती थी बूंदी।

इसका उपयोग बूंदी बनाने में किया जा रहा था।

जहां बूंदी रखी थी, उसके नजदीक ही चावल का आटा, रंग और खराब गुणवत्ता का तेल मिला। वहां रखे गए गत्तों को चूहों ने कुतरा था। बताया गया कि एसके ट्रेडर्स नाम से यह कारखाना चल रहा है, लेकिन विभाग में इसका पंजीकरण नहीं है। इस पर सहायक खाद्य आयुक्त डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने कारखाने को सील कराते हुए सारा माल जब्त करा दिया। जांच के लिए नमूना भेजने का निर्देश दिया। इसके पहले टीम ने राज फूड प्रोडक्ट्स का ताला खुलवाकर जांच की। इस कारखाने को सॉस बनाने का लाइसेंस नहीं मिला था। फिर भी गोदाम में 440 गत्ता सॉस रखा था, जिसका नमूना लेकर सारा माल सील करा दिया गया। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा विभाग की एक टीम ने नौसड़ में मिठाई बनाने के कारखाना में छेना का नमूना लिया। यहां पाउडर और रिफाइन से छेना बनाया जा रहा था।

अश्वटो में लदा खोवा और मिल्क केक पकड़ा गया

ऑटो में लादकर चौरीचौरा की ओर जा रहे एक बोरी खोवा और मिल्क केक को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने पकड़ा। इसके साथ तीन बोरी मिल्क पाउडर भी था। टीम ने सारा सामान जब्त कर लिया है। ये सभी सामान कानपुर से आया था, जिसे चौरीचौरा में लक्ष्मी स्वीट्स के पते पर भेजा जा रहा था। लड्डू के लिए बूंदी बनाने का कारखाना अवैध रूप से संचालित हो रहा था। अंदर काफी गंदगी थी, जिस पर उसे सील करा दिया गया। दूसरे कारखाना में अवैध रूप से सॉस बनाकर रखा था। नमूना लेकर उसे भी सील कराया गया है। कुछ और जगहों पर भी कार्रवाई हुई है। तीन टीमें निरीक्षण कर रही हैंरू डॉ. सुधीर कुमार सिंह, सहायक आयुक्त खाद्य

सीएम योगी 2500 युवा उद्यमियों को सौंपेंगे 125 करोड़ के ऋण का चेक

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को गोरखपुर–बस्ती मंडल के 2500 युवाओं को ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराने के साथ स्वावलंबन और रोजगार प्रदाता बनने का मंत्र देंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार शाम गोरखपुर आएंगे। वे बृहस्पतिवार को गोरखपुर–बस्ती मंडल के 2500 युवाओं को ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराने के साथ स्वावलंबन और रोजगार प्रदाता बनने का मंत्र देंगे। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में सीएम युवा योजना के तहत यह कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें 125 करोड़ रुपये का ब्याजमुक्त ऋण वितरित किया जाएगा। कुछ लाभार्थियों को मुख्यमंत्री अपने हाथ से ऋण धनराशि का चेक सौंपेंगे। इसके अलावा दोनों मंडल के 2100 ओडीओपी लाभार्थियों को उनके उद्यमध्हुनर कौशल को बढ़ाने के लिए टूलकिट का वितरण भी किया जाएगा। सीएम युवा योजना (मुख्यमंत्री युवा उद्यमिता विकास योजना) को 24 जनवरी को लांच किया गया था। इसके अंतर्गत 18 से 40 वर्ष तक की आयु वाले युवाओं को उद्यम स्थापना के लिए प्रथम चरण में 5 लाख रुपये तक ब्याजमुक्त ऋण चार वर्षों के लिए देने का प्रावधान है। साथ ही ऋण धनराशि पर 10 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जाएगा। संयुक्त आयुक्त उद्योग एचपी सिंह के मुताबिक, सीएम युवा योजना के तहत गोरखपुर मंडल में 1700 लाभार्थियों का चयन किया गया है। इन्हें उद्यम लगाने को 85 करोड़ रुपये की ऋण धनराशि वितरित की जाएगी। बस्ती मंडल में इस योजना के अंतर्गत 800 चयनित लाभार्थियों को 40 करोड़ रुपये की ऋण धनराशि दी जाएगी।

ओडीओपी के लिए बंटेगा टूलकिट

इसी कार्यक्रम के दौरान एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत 10 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त शिल्पकारों और उद्यमियों को टूलकिट का भी वितरण किया जाएगा। टूलकिट वितरण के लिए प्रशिक्षण प्राप्त गोरखपुर मंडल के 1300 और बस्ती मंडल के 800 ओडीओपी शिल्पकारोंध्उद्यमियों का चयन किया गया है।

टूलकिट में टेराकोटा के लाभार्थियों को इलेक्ट्रिक चाक, फावड़ा, थापा, लहछुर, तार कटिंग उपकरण और हथौड़ी, रेडीमेड गारमेंट के लाभार्थियों को इलेक्ट्रिक सिलाई मशीन, कैंची, इंचटेप, ऑयरन प्रेस, प्लास, आयल, सजावटी सामान के लाभार्थियों को फुट ऑपरेटेड सिलाई–कढ़ाई मशीन, कैंची, धागे का गोला बनाने की मशीन, डायमंड कटिंग टूलकिट, वुडेन फर्नीचर के लाभार्थियों को राऊटर, इलेक्ट्रॉनिक प्लेनर, जिक्सा मशीन, ड्रिल मशीन, कटर मशीन, हथौड़ा, वसुला, शिकंजा और केला व केले के तने से प्रसंस्कृत उत्पाद बनाने वाले लाभार्थियों को मिक्सर मशीन, जूसर मशीन व ओवन दिया जाएगा।

रोहिंग्या मामला–अवैध कब्जे वालों ने बदला ठिकाना...

गोरखपुर। नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष अनुपमा आर्या ने पांच नामजद व 50 अज्ञात रोहिंग्या के खिलाफ पिपराइच थाने में मारपीट और जानलेवा हमला करने का केस दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि भूमि विवाद में रोहिंग्या की मदद से उनके ऊपर जानलेवा हमला किया गया। पुलिस की छानबीन में अभी तक एक भी रोहिंग्या नहीं मिले हैं। पुलिस की जांच शुरू होते ही रेलवे की खाली भूमि पर कब्जा कर झोपड़ी बनाकर रहने वाले लोग सोमवार रात में सामान लेकर कहीं निकल गए। मंगलवार को पुलिस व प्रशासन की टीम पहुंची तो मौके पर खाली झोपड़ियां व बिखरा हुआ सामान बचा था। भाजपा नेता की शिकायत के बाद आशंका जताई जा रही थी कि झोपड़ी में रोहिंग्या मुसलमान रहते हैं। अभी तक पुलिस की जांच में सामने आया है कि झोपड़ी में रहने वाले लोग भीख मांगने के साथ ही कबाड़ बीनकर और मजदूरी करके गुजारा करते हैं। वहीं कई ऐसे भी हैं, जो कहां के रहने वाले हैं, यहां कैसे पहुंचे, इसका जवाब नहीं दे सके। जांच और कार्रवाई के डर से मंगलवार रात में ये लोग अपना बोरिया–बिस्तर समेटकर भाग गए। मंगलवार सुबह जब पुलिस टीम दोबारा जांच के लिए पहुंची, तो वहां सिर्फ खाली झोपड़ियां और बिखरे हुए घरेलू सामान मिले। आसपास की कुछ महिलाएं टूटी–फूटी झोपड़ी से लकड़ियां और अन्य जरूरी सामान समेटती दिखीं। पूछने पर उन्होंने कहा कि रात में कुछ लोग चले गए। बाकी सुबह बोरिया–बिस्तर लेकर निकल गए। पुलिस बार–बार आ रही थी, इसलिए सब डर गए थे।

गढ़वा गांव में 27 के आधार कार्ड की हुई जांच

सोमवार को सीओ चौरीचौरा के साथ पिपराइच थाने की टीम ने विवादित जमीन पर रहने वालों से पूछताछ की थी। इसके अलावा गढ़वा गांव में जाकर भी पूछताछ की गई थी। यहां 27 लोगों के पास आधार कार्ड मिला था। आधार सत्यापन कराया जा रहा है। इसके अलावा अन्य लोगों से भी पूछताछ कर झोपड़ी में रहने वालों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

एक युवक ने लाकर बसाया

रेलवे की खाली जमीन पर झोपड़ी डालकर रहने वाली इशरावती और प्रभावती ने बताया कि उनका घर पादरी बाजार के पास लक्ष्मीपुर में है। गोभी की पत्नी नीता ने बताया था कि हम लोग काफी दिन तक बड़ी मस्जिद के पास रहे। वहां रहने वाले एक मुस्लिम युवक ने दो साल पहले सरकारी जमीन बताकर रेलवे की जमीन में बसा दिया था।

सर्किल रेट का मूल्यांकन

दो जिलों की सीमा से सटे 144 गांव... सर्किल रेट में 300 फीसदी ज्यादा अंतर

गोरखपुर। ये गांव गोरखपुर और इससे सटे जिले महराजगंज, संतकबीरनगर, देवरिया, कुशीनगर, मऊ और आजमगढ़ की सीमा वाले हैं। इसके अलावा गोरखपुर की सात तहसीलों की सीमा से सटे 274 गांव भी चिह्नित हुए हैं, जहां सर्किल रेट में 200 फीसदी तक अंतर है।

सीमावर्ती जिलों के गांवों में सर्किल रेट में भारी असमानता मिली है। शासन के निर्देश पर हुई जांच में दो जिलों की सीमा से सटे 144 गांव मिले हैं, जहां 25 फीसदी से लेकर 300 फीसदी से ज्यादे सर्किल रेट का अंतर पाया गया है।

ये गांव गोरखपुर और इससे सटे जिले महराजगंज, संतकबीरनगर, देवरिया, कुशीनगर, मऊ और आजमगढ़ की सीमा वाले हैं। इसके अलावा गोरखपुर की सात तहसीलों की सीमा से सटे 274 गांव भी चिह्नित हुए हैं, जहां सर्किल रेट में 200 फीसदी तक अंतर है। निबंधन कार्यालय से रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है।

इन गांवों में एक समान सर्किल रेट शासन स्तर से किया जाना है। शासन से पिछले दिनों सीमावर्ती क्षेत्रों के राजस्व ग्राम के मूल्यांकन दरों के तुलनात्मक विवरण की रिपोर्ट मांगी गई थी। साथ ही यह भी कहा गया कि जिलाधिकारी समीक्षा कर ऐसे राजस्व गांवों के सर्किल रेट को एक समान करेंगे। ज्यादा से ज्यादा 10 फीसदी का अंतर ही होना चाहिए।

निबंधन कार्यालय की जांच में सबसे ज्यादा 43 गांव मिले हैं, जो गोरखपुर और देवरिया की सीमा से सटे हैं। जबकि, सबसे कम गांव गोरखपुर और कुशीनगर की सीमा से सटे नौ हैं।

षासन के निर्देश पर जिले की सीमा से सटे गांवों के सर्किल रेट का मूल्यांकन करा लिया गया है। जिले की सभी सातों तहसील की रिपोर्ट मिली है, जिसे शासन को भेज दिया गया हैरू संजय कुमार दुबे, सहायक महानिरीक्षक निबंधन

हत्या से लेकर शव ठिकाने लगाने तक

हिमानी हत्याकांड 'हम काफी समय से रिलेशनशिप में थे'

रोहतक। पुलिस अधिकारियों की मानें तो हिमानी की हत्या ब्लाइंड मर्डर केस था। परिजन की ओर से भी संदेह नहीं जताया गया तो पुलिस ने मोबाइल को सर्विलांस पर लिया। उसकी लोकेशन सचिन के मोबाइल के साथ मिली। कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल और सचिन के बीच गहरी दोस्ती थी। सचिन का उसके घर दिन–रात आना जाना था। जब उसे घर नहीं जाना होता तो वह हिमानी के घर पर ही ठहरता था। हालांकि, इस बात का परिजनों को भी पता था। हिमानी खुले विचारों की थी तो परिजनों को भी किसी तरह की परेशानी नहीं थी। सचिन 28 फरवरी को हिमानी के घर पर आया था। हिमानी और सचिन की दोपहर में रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया। दिन में खूब गहमागहमी के बीच नाराज होकर सचिन वहां से चला गया था, हालांकि वह रोहतक में ही रहा।

सचिन शाम करीब 4 बजे वह फिर से हिमानी के विजय नगर स्थित घर पहुंचा और वहां पर कुछ देर बात होने के बाद फिर दोनों के बीच विवाद हो गया। मामला इतना तूल पकड़ गया कि दोनों के बीच हाथापाई हो गई। हिमानी का थप्पड़ सचिन को लगा तो वह तमतमा गया। इस बात से खफा होकर उसने हिमानी की चार्जर के तार से गला घोटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को बेड पर रजाई से ढक दिया। इसके बाद वह बचने के लिए तरकीब ढूढ़ने लगा। इस दौरान उसकी नजर सूटकेस पर पड़ी। इसमें कुछ कपड़े रखे थे। सूटकेस खाली कर उसमें हिमानी का शव ठूंस दिया। हालांकि, इससे हाथ–पैर बुरी तरह मुड़ गए थे।

हिमानी नरवाल हत्याकांड...

- सचिन ने दुपट्टे से हिमानी के हाथ बांधे
- मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंट दिया
- शव सूटकेस में बंद कर झाड़ियों में फेंका

दो बच्चों का पिता

10 साल पहले किया प्रेम विवाह

बहादुरगढ़ के कानोंदा बस अड्डे के पास हिमानी नरवाल की हत्या के आरोपी सचिन की मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान है। दुकान उसने एक साल पहले खोली थी। इससे पहले वह नांगलोई में दुकान चलाता था। उसने 10 वर्ष पहले यूपी की ज्योति से प्रेम विवाह किया था।

कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल की हत्या के आरोपी सचिन उर्फ ढिल्लू को पुलिस ने रविवार रात दिल्ली के मुंडका से दबोच लिया। वह झज्जर का रहने वाला और दो बच्चों का पिता है। पुलिस के मुताबिक, सचिन की डेढ़ साल पहले सोशल मीडिया पर हिमानी से दोस्ती हुई। फिर हिमानी के घर आना–जाना शुरू हो गया था। रुपयों के लेनदेन को लेकर कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कृष्ण कुमार राव ने सोमवार को बताया कि 28 फरवरी को विजय नगर स्थित हिमानी के घर पर विवाद इतना बढ़ा कि शाम 5 बजे सचिन ने दुपट्टे से हिमानी के हाथ बांधे और मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंट दिया।

सपा के सत्ता में आते ही 10 दिन में खत्म हो गए थे वासुदेव यादव के सारे केस

प्रयागराज। सपा के पूर्व एमएलसी और शिक्षा बोर्ड के निदेशक वासुदेव यादव को विजिलेंस की टीम ने प्रयागराज स्थित उनके जार्ज टाउन स्थित आवास से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। आय से अधिक संपत्ति के मामले में वाराणसी की एमपी–एमएलए कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। सपा के पूर्व एमएलसी और यूपी बोर्ड के सचिव व माध्यमिक शिक्षा निदेशक रहे वासुदेव यादव को 2012 में सपा की सरकार आते ही संजीवनी मिली थी। 10 दिनों में उनके खिलाफ चल रहे अनुशासनात्मक कार्रवाई और घोटालों के मामले खत्म कर दिए गए थे। इसके लिए सचिवालय को आधी रात तक खोला गया था।

वासुदेव यादव के पास आय से अधिक संपत्ति मिलने के मामले के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। यूपी बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि सपा की सरकार आने से पहले वासुदेव यादव के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के दर्जनों मामले लंबित थे।

पांच मार्च 2012 को जब विधानसभा चुनाव का परिणाम घोषित हुआ और सपा बहुमत के साथ सत्ता में आई तो उनकी किस्मत अचानक पलट गई। सूत्र बताते हैं कि पांच से 15 मार्च तक देर रात सचिवालय खोलकर वासुदेव यादव के खिलाफ चल रहे मामलों को खत्म कराया गया। उनके खिलाफ लोकायुक्त की जांच भी चल रही थी, जिसे दबा दिया गया। अचानक डीपीसी हुई और आनन–फानन उनका प्रमोशन करते हुए बेसिक व माध्यमिक शिक्षा के निदेशक का पद सौंप दिया गया। वर्ष 2012 से 2014 तक निदेशक रहने दौरान ही उन पर घोटाले के आरोप लगे। ट्रांसफर–पोस्टिंग को लेकर वासुदेव यादव का नाम हमेशा विवादों में रहा। अगस्त 2003 से मई 2007 तक सपा की सत्ता के दौरान भी वह दो बार यूपी बोर्ड के सचिव रहे। बोर्ड सूत्रों का कहना है कि इस दौरान उन्होंने ऊंची दरों पर प्रश्नपत्रों की छपाई कराई। डिबार किए गए सैकड़ों कॉलेजों को दोबारा परीक्षा केंद्र बनवा दिया। सपा सरकार में उनकी इतनी पहुंच थी कि सेवानिवृत्ति के बाद पार्टी ने उन्हें एमएलसी तक बनवा दिया।

पूर्व एमएलसी व माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निदेशक वासुदेव यादव गिरफ्तार

विजिलेंस की टीम ने सपा के पूर्व एमएलसी और शिक्षा बोर्ड के निदेशक वासुदेव यादव को उनके जार्ज टाउन स्थित आवास से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। आय से अधिक संपत्ति के मामले में वाराणसी की एमपी–एमएलए कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

कौन हैं वासुदेव यादव?
सपा सरकार में था बड़ा रसूख

पिछले करीब तीन साल से वासुदेव यादव कोर्ट में पेश नहीं हुए थे। सितंबर–2017 में सीएम के निर्देश पर वासुदेव यादव की संपत्तियों की जांच शुरू हुई थी। उन पर शिक्षा निदेशक रहते हुए अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। निर्धारित अवधि के बीच हुई आय, खर्चों, खरीदी गई संपत्तियों व निवेशों के बारे में विजिलेंस ने गहनता से जांच पड़ताल की थी। इसमें सामने आया कि वासुदेव यादव की आय करीब 89.42 लाख रुपये थी, जबकि विजिलेंस की विवेचना में आय से 293 फीसदी अधिक संपत्ति जुटाने का साक्ष्य मिला था। यह रिपोर्ट शासन को सौंपी जाने के बाद भी वासुदेव ने अपना बयान दर्ज नहीं कराया था। शासन से अनुमति मिलने के बाद जनवरी–2021 में सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) प्रयागराज के थाने में वासुदेव यादव के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई थी।

भतीजे आकाश के बाद भाई आनंद कुमार पर कार्रवाई

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के पिता आनंद कुमार को नेशनल कोआर्डिनेटर के पद से हटा दिया है। हालांकि, वह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने रहेंगे। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से निकालने के बाद अब उनके पिता आनंद कुमार को भी नेशनल कोआर्डिनेटर पद से हटा दिया है। उनकी जगह रणधीर बेनीवाल को नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया गया है।

मायावती ने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि काफी लम्बे समय से निस्वार्थ सेवा व समर्पण के साथ कार्यरत बीएसपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनन्द कुमार, जिन्हें अभी हाल ही में नेशनल कोआर्डिनेटर भी बनाया गया था, उन्होंने पार्टी व मूवमेन्ट के हित के मद्देनजर एक पद पर रहकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की है, जिसका स्वागत है। मायावती ने लिखा कि ऐसे में आनंद कुमार पहले की ही तरह बीएसपी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर रहते हुए सीधे मेरे दिशा–निर्देशन में अपनी जिम्मेदारियों को निभाते रहेंगे। अब उनकी जगह यूपी के जिला सहारनपुर के रहने वाले रणधीर बेनीवाल को नेशनल कोआर्डिनेटर की नई जिम्मेदारी दी गई है।

बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लिखा कि इस प्रकार, अब रामजी गौतम, राज्यसभा सांसद रणधीर बेनीवाल ये दोनों बीएसपी नेशनल कोआर्डिनेटर (राष्ट्रीय समन्वयक) के रूप में सीधे तौर पर मेरे दिशा–निर्देशन में देश के विभिन्न राज्यों की जिम्मेदारियों को संभालेंगे। पार्टी को उम्मीद है कि ये लोग पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करेंगे।

सोमवार को पार्टी से आकाश को निकाला

मायावती ने सोमवार को अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकाल दिया था। इसके पहले रविवार को उन्होंने आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटाया था। आकाश ने सोमवार को मायावती के फैसले पर प्रतिक्रिया दी थी। इससे नाराज होकर मायावती ने उन्हें बसपा से निष्कासित करने का फैसला लिया था।

ससुर के प्रभाव वाली स्वार्थी व अहंकारी बयानबाजी

मायावती ने कहा था कि आकाश को पार्टी के हित में ज्यादा बसपा से निकाले गए अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में रहने के कारण सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर किया गया। उन्हें इसका पश्चाताप कर परिपक्वता दिखानी थी। इसके उलट फैसले पर आकाश की प्रतिक्रिया उनके ससुर के प्रभाव वाली स्वार्थी व अहंकारी बयानबाजी है।

महाकुंभ 2025

यूपी के तीन एक्सप्रेस वे से गुजरे 40 लाख वाहन, 500 से ज्यादा हादसे

महाकुंभ के दौरान प्रदेश के तीन एक्सप्रेसवे से गुजरे 40 लाख वाहन, 500 से ज्यादा हादसों में हुई 40 मौतें

लखनऊ। यूपीडा ने एक्सप्रेसवे से गुजरे वाहनों का ब्योरा साझा करते हुए बताया कि महाकुंभ के समय इन तीन एक्सप्रेस वे 500 से ज्यादा हादसे हुए। महाकुंभ के दौरान प्रदेश के तीन एक्सप्रेसवे पर गुजरने वाले वाहनों ने रिकॉर्ड बना दिया। इस वर्ष जनवरी–फरवरी के दौरान आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से 40 लाख से ज्यादा वाहन गुजरे। इस दौरान 564 सड़क हादसे हुए जिनमें 40 लोगों की मौत हुई। यह जानकारी यूपी एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथारिटी (यूपीडा) की ओर से साझा की गई है।

यूपीडा के मुताबिक सुरक्षा के लिए एक्सप्रेसवे के प्रत्येक पैकेज में एक सुरक्षा अधिकारी, दो सहायक सुरक्षा अधिकारी, प्रति शिफ्ट चार पूर्व सैनिक और प्रति शिफ्ट एक वाहन चालक को तैनात किया गया था। एक एक्सप्रेसवे औसतन दो से चार पैकेज में बंटा होता है। एक जनवरी से 28 फरवरी 2025 के बीच आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे से रिकॉर्ड 28.40 लाख वाहन गुजरे। इसी अवधि में वर्ष 2024 में ये संख्या करीब 17 लाख और वर्ष 2023 में 16 लाख थी। यानी पिछले वर्ष की तुलना में करीब 70 फीसदी ज्यादा वाहनों ने फर्राटा भरा। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से बीती जनवरी–फरवरी में लगभग 15.10 लाख वाहन गुजरे। वर्ष 2024 में इस एक्सप्रेसवे से करीब 10 लाख और वर्ष 2023 में 7 लाख वाहन गुजरे थे। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से महाकुंभ की अवधि में 2.87 लाख वाहन गुजरे।

ओवरस्पीडिंग और हादसे भी खूब

वाहनों की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी से ड्राइविंग में भी खूब लापरवाही सामने आई। इससे 564 हादसों में 40 लोगों की मौत हो गई और 524 लोग घायल हुए। आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ओवरस्पीड के 8.45 लाख से ज्यादा चालान किए गए। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर ये संख्या 6.64 लाख से ज्यादा रही। एक्सप्रेसवे सबसे ज्यादा कारों ने फर्राटा भरा। तीनों एक्सप्रेसवे से गुजरने वाले कुल वाहनों में कारों की हिस्सेदारी करीब 65 फीसदी रही।

स्क्रिप्ट में था दम
लेकिन प्रोड्यूसर के इरादे खराब

2014 में मिस इंडिया अर्थ का खिताब जीत चुकीं मॉडल–अभिनेत्री अलंकृता सहाय अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं।

मुम्बई। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने खुलासा किया कि कैसे एक पंजाबी फिल्म की शूटिंग के दौरान प्रोड्यूसर के अजीब व्यवहार ने उन्हें असहज कर दिया, जिससे उन्हें फिल्म छोड़नी पड़ी। बातचीत के दौरान, उन्होंने अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प किस्से शेयर किए। बता दें, अलंकृता ने बॉलीवुड में डेब्यू फिल्म 'लव पर स्क्वायर फीट' से किया था, जिसमें वह विक्की कौशल के साथ नजर आई थीं।

मश्वडलिंग और एक्टिंग करियर की शुरुआत

बचपन में मुझे परफॉर्मिंग आर्ट्स का बहुत शौक था। स्कूल में डांस, डिबेट, नाटक – हर चीज में हिस्सा लेती थी। मेरी टीचर और पेरेंट्स ने हमेशा सपोर्ट किया। लेकिन उस वक्त सोचा नहीं था कि एक्टिंग मेरा करियर बनेगी। मेरा सपना तो ी बनने का था, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

मैं मुंबई किसी और काम से आई थी, लेकिन यहां का माहौल और इंडस्ट्री की चकाचौंध मुझे खींच लाई। कॉलेज में थिएटर किया था, लेकिन करियर के रूप में इसे कभी नहीं सोचा था। फिर मिस इंडिया का टाइटल जीता और इंटरनेशनल लेवल पर भारत को रिप्रेजेंट किया। तभी अहसास हुआ कि यही मेरा रास्ता है। उस दिन मेरी मम्मा ने कहा, 'तुम्हें देश के लिए कुछ करना था, और तुमने कर दिखाया।' बस, वहीं से जर्नी शुरू हो गई ।

पैपराजी से छिपकर थेरेपी सेशन जाती थीं
दीपिका पादुकोण

बोलीं– जीने की इच्छा खत्म हो चुकी थी, दिन रात बस रोती थी

मुम्बई। दीपिका पादुकोण अक्सर हेल्थ से जुड़ी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करती हैं। हाल ही में दीपिका ने बताया कि उन्होंने अपनी थेरेपी सेशन को हमेशा पर्सनल रखा था, ताकि मीडिया का ध्यान इस पर बिल्कुल न जाए। द सीईओ मैगजीन से बातचीत में दीपिका पादुकोण ने कहा, श्मैं अपने करियर की ऊंचाइयों पर थी। सब कुछ अच्छा चल रहा था। लेकिन साल 2014 में एक सुबह काम करते हुए मैं अचानक बेहोश हो गई और कुछ दिनों बाद मुझे एहसास हुआ कि मुझे डिप्रेशन है। मैंने इस बारे में किसी को बताया भी नहीं। मैं मुंबई में अकेली रहती थी, लेकिन किसी से शेयर नहीं करती थी। जब मम्मी मुंबई आईं और कुछ दिनों बाद चली गईं, तो मुझे रोने का मन करता था। मुझे पूरा दिन बुरा लगता था, जीने की इच्छा खत्म हो गई थी।

दीपिका की मानें तो जब उन्हें पता चला कि वह डिप्रेशन और एंग्जायटी से पीड़ित हैं, तो उन्होंने थेरेपिस्ट से सलाह ली। दीपिका ने कहा, ष्लेकिन मैं नहीं चाहती थी कि इस बारे में किसी को पता चले कि मैं थेरेपिस्ट के पास जा रही हूं। मैं बहुत व्यक्तिगत थी और किसी को भी नहीं बताना चाहती थी कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं। लेकिन जब मैं ठीक होने लगी, तो मैंने महसूस किया कि लोगों के बीच मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक शर्मिंदगी है। इसके बाद मैंने इस विषय पर आवाज उठाई। फिर मुझे लगा कि आखिर क्यों मैंने अब तक इसे दबाए रखा था।

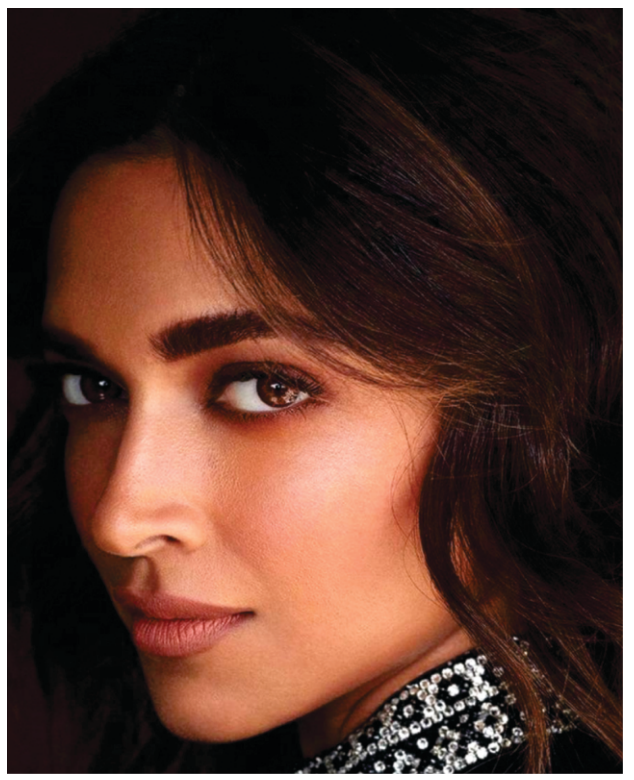

सोनू के इंगेजमेंट से नाराज नेटिजन्स
कहा– बिना मतलब का ड्रामा...

एंटरटेनमेंट डेस्क। तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के हालिया एपिसोड से नेटिजन्स नाराज हैं। उन्होंने भिड़े की बेटी सोनू (सोनालिका) की मर्जी के खिलाफ सगाई पर नाराजगी जताई है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या रिएक्शन दिए हैं। टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के मौजूदा ट्रैक से दर्शक खुश नहीं हैं। इसमें भिड़े की बेटी सोनू (सोनालिका) की मर्जी के खिलाफ सगाई की जा रही है। हाल ही में आए एपिसोड के बाद, कुछ दर्शकों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। वह टप्पू (नीतीश भलूनी) और सोनू (खुशी माली) के अलग होने की कहानी से निराश हैं।

क्या होगा आगामी एपिसोड में ?

आगामी एपिसोड में गोकुलधाम सोसाइटी के लोग तब चौंक जाएंगे, जब पिंकू, गोली और गोगी क्लब हाउस में टप्पू को बताएंगे कि सोनू ने अभिनव से सगाई कर ली है। यह वही लड़का है जो हाल ही में शादी की बात करने आया था। यह सुनकर टप्पू हैरान रह जाएगा, और टप्पू सेना भी चिंता में पड़ जाएगी। उन्हें डर है कि जल्दी कुछ नहीं किया गया, तो सोनू की शादी हो सकती है और वह गोकुलधाम को हमेशा के लिए छोड़ सकती है। जब कुछ करने का इरादा करके टप्पू क्लब हाउस से बाहर निकलता है और देखता है कि सोनू अभिनव के साथ कार में जा रही है, लेकिन जैसे ही कार चलने लगती है, सोनू टप्पू को इशारा करती है कि वह यह शादी नहीं करना चाहती है। यह देखते ही टप्पू बिना समय गंवाए कार के पीछे भागता हुआ दिखाई देता है।

नेटिजन्स ने दी प्रतिक्रिया

नेटिजन्स ने प्रोमो देखने के बाद इसे क्रिंज और निराशाजनक ट्रैक कहा। निर्माताओं द्वारा प्रोमो को साझा किए जाने के बाद, एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, बिना मतलब का ड्रामा... बेकार। एक अन्य ने लिखा, ष्यह शो इतना क्रिंग भी हो गया है क्या? एक और ने कमेंट कर लिखा, यह शो अभी भी चल रहा है?" एक और यूजर ने लिखा, सास बहू सीरियल जैसा लगता है।

रोमांटिक गीत के लिए साथ आए ईशान खट्टर-तारा सुतारिया, श्रेया घोषाल-रितो रिबा की आवाज का चलेगा जादू

एंटरटेनमेंट डेस्क। ईशान खट्टर और तारा सुतारिया जल्द ही एक म्यूजिक वीडियो में साथ नजर आएंगे। यह गाना श्रेया घोषाल और रितो रिबा ने मिलकर गाया है। इसकी रिलीज की तारीख का भी खुलासा हो गया है। ईशान खट्टर और तारा सुतारिया बॉलीवुड अब एक साथ स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं। प्रशंसक जल्द ही इस नई जोड़ी को साथ देख सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईशान खट्टर और तारा सुतारिया जल्द ही एक आगामी म्यूजिक वीडियो में अभिनय करेंगे, जिसमें रितो रीबा और श्रेया घोषाल की आवाजें होंगी।

रोमांटिक ट्रैक में नजर आएंगे ईशान–तारा

काफी दिनों से ईशान और तारा की किसी प्रोजेक्ट के लिए साथ आने की खबरें थीं। हालांकि, यह तय हो गया है कि ईशान खट्टर और तारा सुतारिया, रितो रीबा और श्रेया घोषाल के आने वाले गाने में साथ नजर आएंगे। प्ले डीएमएफ के तहत अंशुल गर्ग द्वारा निर्मित इस रोमांटिक ट्रैक को कश्मीर की शानदार बैकग्राउंड पर फिल्माया गया है।

इस दिन रिलीज होगा गाना

इस गाने के लिए प्रशंसकों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि यह गाना 7 मार्च, 2025 को रिलीज होने वाला है। सोशल मीडिया पर फैंस इसे लेकर खुशी जाहिर कर रहे हैं। फैंस का कहना है कि रितो रीबा की दिल को छू लेने वाली गायकी, श्रेया घोषाल की जादुई आवाज और ईशान और तारा की केमिस्ट्री के साथ यह गाना वाकई एक बेहतरीन अनुभव होने वाला है। यह गाना कश्मीर के खूबसूरत नजारों के साथ शूट किया गया है।

रितो रिबा ने जताई खुशी

प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए लोकप्रिय गायक रितो रीबा ने कहा, श्यह गाना मेरे लिए वाकई खास है। श्रेया मैम के साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा है और ईशान और तारा द्वारा इस गाने को स्क्रीन पर देखना अविश्वसनीय है। इसे संभव बनाने के लिए अंशुल सर का बहुत–बहुत धन्यवाद।

चेजमास्टर कोहली का एक और कारनामा

ICC वनडे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर

प्लेयर	देश	इनिंग	कितनी बार
विराट कोहली	भारत	53	24
सचिन तेंदुलकर	भारत	58	23
रोहित शर्मा	भारत	42	18
कुमार संगाकारा	श्रीलंका	56	17

दुबई। विराट कोहली ने दुबई की धीमी पिच पर 84 रन बनाकर भारत को चैंपियंस ट्रॉफी का सेमीफाइनल जिताया। कोहली को छठे ओवर में बैटिंग करने उतरना पड़ा। यहां से उन्होंने श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल और केएल राहुल के साथ 3 बड़ी पार्टनरशिप की और रनचेज आसान बना दिया।

कोहली टीम को जीत दिलाने से पहले आउट हो गए, लेकिन वे जब पवेलियन लौटे, तब 44 गेंद पर महज 40 रन की ही जरूरत थी। ऐसा पहली बार नहीं हुआ, जब विराट ने बड़े मैच में बड़ी पारी खेली। वे इससे पहले भी **ICC** टूर्नामेंट के नॉकआउट मैचों में 7 अहम पारियां खेलकर टीम को जिता चुके हैं।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

वनडे में सबसे ज्यादा कैच

प्लेयर	देश	कैच
महेला जयवर्धने	श्रीलंका	218
विराट कोहली	भारत	161
रिकी पोंटिंग	ऑस्ट्रेलिया	160

ICC वनडे इवेंट्स में सबसे ज्यादा सिक्स

प्लेयर	देश	इनिंग	सिक्स
रोहित शर्मा	भारत	42	65
क्रिस गेल	वेस्टइंडीज	51	64
ग्लेन मैक्सवेल	ऑस्ट्रेलिया	30	49

फिफ्टी लगाकर ऑस्ट्रेलिया को चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर किया
ICC नॉकआउट में विराट की 8 बड़ी पारियां

भारत ICC के सीमित ओवरों के टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा सेमीफाइनल जीतने वाली टीम, आस्ट्रेलिया को पछाड़ा

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने अब तक आईसीसी के सीमित ओवरों के टूर्नामेंट 19 सेमीफाइनल मुकाबले खेले हैं और उसमें से 12 मैच जीतने में कामयाब रही है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। जीत के लिए मिले 265 रन के लक्ष्य का टीम इंडिया ने 00 गेंद रहते छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में मिली हार का भी बदला ले लिया। टीम इंडिया की जीत में विराट कोहली ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 84 रन की पारी खेली। इस जीत के साथ टीम इंडिया आईसीसी के सीमित ओवरों के टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा सेमीफाइनल जीतने वाली टीम बन गई है। इस मामले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ दिया।

भारत ने अब तक आईसीसी के सीमित ओवरों के टूर्नामेंट 19 सेमीफाइनल मुकाबले खेले हैं और उसमें से 12 मैच जीतने में कामयाब रही है। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी में पांच सेमीफाइनल, वनडे विश्व कप में चार सेमीफाइनल और टी20 विश्व कप में तीन सेमीफाइनल मैच जीते हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। उसने आईसीसी के सीमित ओवरों के टूर्नामेंट के 18 सेमीफाइनल में से 11 मैच जीते हैं। इंग्लैंड नौ जीत के साथ तीसरे और वेस्टइंडीज आठ सेमीफाइनल में जीत के साथ चौथे नंबर पर है।

भारतीय टीम को दुबई में खेलने से फायदा

आलोचकों पर भड़के कोच गौतम गंभीर, कहा– मुझे याद नहीं यहां...

स्पोर्ट्स डेस्क। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि भारतीय टीम को दुबई में खेलने का कोई अनुचित फायदा नहीं मिल रहा है और चौंपियंस ट्रॉफी के लिए यहां पहुंचने के बाद से टीम ने इस मैदान पर कोई अभ्यास सत्र भी नहीं लिया है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताबी मुकाबला नौ मार्च को खेला जाएगा।

भारत के सामने आज होने वाले दूसरे सेमीफाइनल (दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड) की विजेता टीम होगी। जहां बाकी टीमों को भारत से मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान से दुबई की यात्रा करनी पड़ी है, वहीं टीम इंडिया अपने सभी मैच दुबई में खेल रही है। पाकिस्तान समेत कई देशों के पूर्व क्रिकेटर्स ने भारत पर एक स्थान पर खेलने का फायदा होने का आरोप लगाया था। ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद यही सवाल गौतम गंभीर से पूछे जाने पर वह भड़क गए और उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया।

कोई फायदा नहीं मिल रहा

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि भारतीय टीम को दुबई में खेलने का कोई अनुचित फायदा नहीं मिल रहा है और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए यहां पहुंचने के बाद से टीम ने इस मैदान पर कोई अभ्यास सत्र भी नहीं लिया है। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अब तक दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर खेले गए सभी मैच जीते हैं और फाइनल में जगह बनाई है। टीम अब तक दुबई में अजेय है। भारत ने यहां 10 में से नौ मैच जीते हैं और एक बेनताजी रहा है।

याद नहीं यहां आखिरी टूर्नामेंट कौन सा खेला

गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया पर सेमीफाइनल में चार विकेट से मिली जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे पता है कि अनुचित फायदे को लेकर काफी बहस हो रही है, लेकिन कौन सा अनुचित फायदा? सबसे पहली बात तो यह कि हमारे लिए भी यह उतना ही तटस्थ स्थान है जितना बाकी टीमों के लिए। मुझे याद भी नहीं कि इस स्टेडियम पर आखिरी टूर्नामेंट कौन सा खेला था।

आईसीसी अकादमी में किया अभ्यास

उन्होंने कहा, हमने यहां एक दिन भी अभ्यास नहीं किया। हम आईसीसी अकादमी पर अभ्यास कर रहे हैं। यहां और वहां के हालात में 180 डिग्री का अंतर है। कुछ लोगों को बस शिकायत करना आता है। मुझे नहीं लगता कि हमें कोई अनुचित फायदा मिला है। गंभीर ने यह भी कहा कि भारत ने हालात का पहले से पता होने के कारण चार स्पिनरों को नहीं उतारा है।